॥ श्री ॥

तबला ताल संग्रह

लेखक—

रामदास अग्रवाल

प्रकाशक,

द्वारका प्रसाद अग्रवाल

—:o:—

—:o:—

प्रथम बार ५००] सन् १९२५ [मूल्य १)

मुद्रक—[illegible] अग्रवाल, [illegible] प्रिंटिंग वर्क्स, प्रयाग।

तबला ताल संग्रह

लेखक :—रामदास अग्रवाल

(कूंचा श्यामदास बादशाही मंडी
इलाहाबाद)

प्रकाशक,

द्वारका प्रसाद अग्रवाल

—:o:—

—:o:—

प्रथम बार ५००] सन् १९२५ [मूल्य १।)

॥ श्री गणेशायनमः ॥

प्रस्तावना

संगीत विद्या के प्रेमियों !

कोटिशः धन्यबाद उस करुणामय जगदीश्वर को है जिसकी अपार कृपा से आज मुझे इस बात का अवसर मिला है कि मैं एक नवीन "तबला ताल संग्रह" नामक पुस्तक आप लोगों की सेवा में अर्पण कर के कृतार्थ होऊं।

तबला वाद्य बजाने का प्रचार प्रति दिन कम होता देख कर विचार करने से प्रतीत हुआ कि इस वाद्य में जो बजने वाले बोल हैं वह ठीक लयकारी में नहीं लिखे जाते, जिसकी सहायता से लोग ताल, लय, मात्रा और तबले की चीज़ों की शुद्ध लिपि करने की उत्तम रीति सीखते और इसी कारण इस विद्या का प्रचार कम देख कर मैंने इस वाद्य में बहुत सा समय लगा कर उसका बजाना सीखने की अति सुगम रीति निकाली है।

आज कल प्रायः जिन जिन लोगों ने तबले की पुस्तकें बनाई हैं उन में इसी बात की न्यूनता होने से कठिन बोलों के हर एक अक्षर ठीक ठीक नहीं लिखे जाते, इस लिये उन पुस्तकों से सीखने वालों को लय-कारी का उचित ज्ञान नहीं होता।

इस पुस्तक में तबला किस रीति से बजाना और कौन सा हाथ किधर रखना और उंगलियों को किस प्रकार उठाना और उन से काम लेना, चित्र सहित विस्तारा पूर्वक लिखा है, और आज कल जो ताल बजाये तथा वर्ते जाते हैं उन के ठेके और ठेके की गतें, कायदे, दोहरे, पलटे मुहरे इत्यादि भी थोड़े २ दिये हैं।

इस पुस्तक के अनुसार यदि कोई मनुष्य अभ्यास करेगा तो मैं निश्चय से कहता हूँ की उन को तबला अच्छी रीति से बजाना आयेगा, साथ ही साथ लय-कारी का भी ज्ञान होगा, इस्से सहल मार्ग कोई नहीं है।

आशा है कि जिन जिन सज्जनों को इस विद्या के सीखने की अभिलाषा है वह इस पुस्तक द्वारा अभ्यास कर के मेरे परिश्रम को सुफल करेंगे।

मैं हारमोनियम प्रोफेसर लक्ष्मन दास जी अग्रवाल (उप नाम मुनीम जी) को धन्यवाद देता हूँ जिन के संगीत पाठशाले में जाकर मै ने बहुत कुछ इस विद्या के बारे में सीखा। जिन २ महाशयों की बनाई हुई पुस्तक द्वारा मुझे पुस्तक लिखने में सुगमता हुई है उन का मैं अनुग्रहीत हूँ।

विज्ञवर महाशयों से प्रार्थना है कि इस पुस्तक के लिखने में यदि कोई त्रुटि हो गई हो उसे क्षमा करेंगे॥

निवेदक—

रामदास अग्रवाल

रामदास अग्रवाल

रचयिता "तबला ताल संग्रह"

Agarwal Printing Works, Allahabad.

सूची

चित्र नम्बर १.

बांयां　　　　　　　　　　दांया

नं० १–स्याही; नं० २–मैदान; नं० ३–चांटी; नं० ४–गजरा;
नं०५–बध्धी; नं० ६–गट्टा नं० ७–इनडोई

बयानतबला

बयान तबला दांया।

लकड़ी के कूंडी का नाम तबला है जो कि खास तरह की होती है। और जो खाल उस पर मिढ़ी जाती है, उसको पूड़ी कहते हैं; और पूड़ी के किनारे करीब डेढ़ अंगुल के चौड़ा चमड़ा लगाते हैं उसको गोट कहते है। और चाटी भी उसे कहते हैं। और गोट से मिला हुआ रस्सी की तरह कुछ बल दिये हुये जो चमड़ा लगाते हैं उसे गजरा या शृंगार कहते हैं। और तबले की पेंदी में एक गोल हलका चमड़े का होता है उसका नाम इनडोई है और आध उङ्गल चौड़ा चमड़ा जो कई गज़ लम्बा जो की गज़रे और इनडोई में तबले के चारों तरफ़ फंसा रहता है उसे बध्धी कहते हैं। और आठ टुकड़े लकड़ी के गोल करीब छः छः उङ्गल के जो खींचने और ढीला करने की गरज़ से बध्धी में फँसाये जाते हैं उसको गट्टा कहते हैं और जो काले रङ्ग का मसाला पूड़ी के बीच में तरह २ की आवाज़ अदा करने की गरज़ से लगाया जाता है उसको स्याही कहते हैं और

स्याही और चाटी के बीच में हलकः बन जाता है उसको मैदान कहते हैं। क्योंकि इस तवले को दांये हाथ से बजाते हैं इस कारण इसको दांया भी कहते हैं। इसका सुर हमेशा बांया से ऊंचा रहता है।

बयान बांया

इसमें गट्टे नहीं होते, बाकी सब वही चीज़े जो कि तबले में बयान की गई है इसमें भी होती है और इसकी कूंड़ी दूसरे तरह की होती है और आम तौर से मिट्टी की होती है और खास तौर से तांबे या पीतल की और खास इस कूड़ी का नाम बांया है और इसमें की स्याही बीच से ज्यादा हटी हुई लगाई जाती है क्यों कि इसे हथेली को बीच में रखकर बजाते हैं। इसका सुर हमेशा तबले से नीचा रहता है। और इसका चित्र नं० १ देखो और ख्याल करके समझो।

तबला स्वर में मिलाने की रीत

इसके मिलाने की यह रीति है कि जब ऊंचे स्वर में मिलाना हो तो हथौड़ी से गट्टों को नीचे की तरफ ठोकते हैं, जब थोड़ी सी कसर सब तरफ से वह आवाज़ होने में जिस स्वर में की मिलाना हो रह जाती है तो गजरे को ठोक ठोक कर उस स्वर में मिलाते हैं और आवाज़ करते जाते हैं। यदि चढ़ाना होता है तो नीचे की तरफ ज़रब लगाते है और यदि उतारना होता है तो उलटी ज़र्ब नीचे की तरफ से ऊपर को लगाते हैं और जब स्वर में मिल जाता है तो थाप देकर देखते हैं कि अच्छी तरह से मिल गया या नहीं थाप लगाने का यह कायदा है कि पट हाथ को किसी कदर तिरछा करके सब उगलियां सीधी रखते हैं और पांचवी उंगली यानी छंगुलियां से तबले के मैदान में आधी स्याही दबाकर ज़र्ब लगाते हैं और हाथ उठा लेते हैं। इस आवाज़ को थाप की ता कहते हैं। चित्र नं० १४ देखो।

तबला बांया, दांया की तरह कोई स्वर में मिलाया नहीं जाता सिर्फ इतना खींच लेते हैं कि उतरा हुआ न रहे ताकिआवाज़ गूंजूदार निकलती रहे और जब यह ढीला हो जाता है तो चारो तरफ इसके गजरे को हथौड़ी से ठोक देते हैं। और क्योंकि इसे बायें हाथ से लोग बजाते हैं इस लिये इसे बायां कहते हैं।

बयान उंगलियों के नम्बरों का

क्यों कि उंगलियों ही से काम लिया जायेगा इस कारण पहले दोनो हाथों की उंगलियों के नंबर क़ायम किये जाते हैं:—

अंगूठे से पहिला नंबर शुरू होकर छंगुलिया पर पांचवा नम्बर ख़तम होगा और हाथ की सूरत पट रहेगी दांया हाथ हो या बायां, तबला या दांया, के साथ

जहां कहीं उङ्गलियों का ज़िकर आयेगा वहां दांया हाथ लिखने की, कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि तबला-दांये हाथ से ही वजाया जाता है और बायें के साथ बांया हाथ लिखने की ज़रूरत नहीं है क्यों कि बांया-बांये हाथ से वजाया जाता है। और हर उंगलियों के पहली पोढ़ का नाम सिरा रक्खा गया है।

नोट :—बयान दांये हाथ की उङ्गलियों का, **पहली** और दूसरी उङ्गली की घाई अकसर आपस में मिली रहती है। **दूसरी** उङ्गली से बहुत कुछ काम लिया जाता है। **तीसरी** उङ्गली अकसर तबले से ऊंची दूसरी उङ्गली के साथ इस इनतिज़ार में लगी रहती है कि जिस समय पर उस से काम लेने की ज़रूरत हो फौरन काम दे **चौथी** उङ्गली तबले के मैदान में किसी कदर टेढ़ी टिकी रहती है मगर बहुत हलकी इस लिये की तवले की आवाज़ बन्द न हो और हाथ की हरकत के साथ घटती बढ़ती रहती है और बाज़ समय पर तीसरी के साथ मिल कर काम देती है और कभी खुद भी काम देती है। **पांचवीं** उङ्गली हमेशा तबले की गोट पर रहती है और बाज़ मौके पर यह भी काम देती है॥

तादाद बोलों की जो इस पुस्तक में आयेंगे।

तिटि, दींना, तींना, दिंन, तिंन, छिन, दितिन, ताड़ि, नारि, तिंई, तति, तत, तितिटि दिंदिं, दिंदिन, नन, तदिन, दिंनन, किन, गिन, तगि, नगि, कत, कित, तिंगि, दिंगि तगिन नगिन, तकिटि, नकिटि, तकु, दिंगिन, तिंगिन, दींगिन, दिनगिन, तिनगिन, तिंनकि, गिदी, गिंदि, दींगि, तींगि, दिनगिन, तिंनगिन, किड़िदिन, किड़िदिं, किड़िताना, गिगि-नगि, किड़ि, किड़िनकि, गिड़िनगि, तिरिक, तिरिकिटि, किटि, किटितक, तिटिकत, तका, तगे, गिता, गिदिगिन, गिदिन, कधिटि, किड़ान, किड़िधा, किड़िध, किड़िधान, किड़िधित, किड़ितकिटि, किड़िदिंदिं, कितिरि, धिटि, धींना, धिन, धिन, धिनिन, धाड़ि, धिंई, धिइं, धति, धध, धतिटि, घिन, धघि, नघि, धिंघि धींघि, धघिन, तघिन, धकिट, धघिन, धींघिन, घिनघिन, धिनघिन, धिंनघि, घिदि, घिदिघिन, किड़िधकिटि, कड़िधिन, किड़िधिं, धिंनन, घिघिनघि, घिड़िनघि, धिरिकिटि, घिधा, घिड़ान, घिदीं, घिनघि, घिना, तघिन, तधिन, तधा, नध, घधिंन, घिंधिन, धिंधिं, धींइड़ान, धी॥

—)(०)(—

बयान ताल और मात्रा का

(१) वख्त या समय गिनने के वास्ते जो हाथ से ताली दी जाती है अथवा तबले से उसे ताल कहते हैं।

(२) और ताल की गती को लय कहते हैं।

(३) लय तीन किस्म की होती हैं। बिलंबित, मध्य, और द्रुत।

परिभाषा, बिलंबित, मध्य और द्रुत की

(१) बिलंवितः—याने बहुत धीमा लय (याने बहुत धीरे धीरे चलने वाली लय)

(२) मध्य :—याने बिलंवित से दुगनी चलने वाली लय।

(३) द्रुत :—मध्य से दुगुन चलने वाली लय को द्रुत कहते हैं।

विषय मात्रा

मसलन **ता** बोल जो है इसे इतनी देर में अदा किया जाये कि तन्दुरस्त आदमी की नब्ज़ एक हरकत जितनी देर में करे। और एक मात्रे की लैकारी एक सेकंड के बराबर होती है।

ताल के बोलों के नीचे जो अलफ़ाज़ (शब्द) लिखे जाँयगे, जिनके माफिक वे बोल अदा किये जाँयगे, उनका नाम और मात्रा के भेद :—

लघु, गुरू, प्लुत, द्रुत, अनद्रुत, तुरुत (अन अनद्रुत) बिराम द्रुत, बिरामलघु ॥

परिभाषा

लघुः—एक मात्रे को लघु कहते हैं।

गुरु :—दो मात्रे को गुरु कहते हैं, यह हर जगह एक मात्रे से लिखा जायेगा और इसके आगे एक मात्रे का ठहराव दिया जायेगा, क्योंकि इसमें एक मात्रे की ज़र्ब है और एक मात्रे का ठहराव है जैसे

ता.................आ

ज़र्ब ठहराव

एक मात्रा एक मात्रा

प्लुत :—तीन मात्रे को प्लुत कहते हैं—यह हर जगह एक मात्रे से लिखा जायेगा और इसके आगे दो मात्रे का ठहराव दिया जायेगा क्योंकि इसमें एक मात्रे की ज़रब और दो मात्रे का ठहराव है जैसे:—   ता............आ............आ

ज़रब   ठहराव   ठहराव
एक मात्रा   एक मात्रा   एक मात्रा

द्रुत :—आधे मात्रे का द्रुत कहते हैं इसमें हमेशा एक हरकत होगी और यह हमेशा इस तरह लिखे जायेंगे जैसे त, ध, दि, इत्यादि (याने द्रुत के वजन के बोल में दीर्घ मात्रे नहीं मिले रहेगें) या कई हरफ मिले हों जैसे तिटि धिटि, तकिटि इत्यादि। इस वास्ते ऐसा समझा दिया है कि जिस बोल के नीचे द्रुत लिखा हो उसे आधे मात्रे के मिज़ाज से अदा किया जाये।

अनद्रुत:—पाव मात्रे को अनद्रुत कहते हैं याने एक मात्रे का चौथाई हिस्सा को अनद्रुत कहते हैं। जिसके नीचे को अनद्रुत लिखा हो उसे पाव मात्रे के ही मिज़ाज से अदा किया जाये जैसे ति ...... रि बोल में ति और रि के नीचे

अनद्रुत   अनद्रुत

अनद्रुत लिखा हुआ है तो दोनो बोल को याने ति और रि को पाव पाव मात्रे केही मिज़ाज से अदा करो॥

तुरुत या अन अनद्रुत:—आध पाव मात्रे को अन अनद्रुत कहते हैं याने एक मात्रे के आठवें हिस्से को अन अनद्रुत या तुरुत कहते हैं। जिस हरफ या बोल के नीचे अन अनद्रुत लिखा हो जैसे कि............ड़ि............न............कि

अन अनद्रुत अन अनद्रुत अन अनद्रुत अन अनद्रुत

कि बोल में कि और ड़ि और न और कि के नीचे अन अनद्रुत लिखा है तो इन बोलों को आध पाव मात्रे के मिज़ाज से अदा करो।

बिराम द्रुत:—पौन मात्रे को बिराम द्रुत कहते हैं और यह दो तरह से अदा किया जाता है चाहे तीन हरकतें मुतसिल—(एक साथ) ज़ाहिर की जायें जैसे कि.........ड़ि.........न या एक अनद्रुत और एक द्रुत अदा किया जाये जैसे तिं............ई या गि............दिं

अनद्रुत   द्रुत   अनद्रुत   द्रुत

बिराम लघु:—डेढ़ मात्रे को बिराम लघु कहते हैं। यह चार तरह का होता है—एक द्रुत और लघु के मिलाप से दूसरा तीन द्रुत के मिलाप से—तीसरा दो अन

द्रुत और एक लघु के मिलाप से—चौथा दो अनद्रुत और द्रुत के मिलाप से और यह हमेशा एक मात्रे और एक द्रुत से या तीन द्रुत से या दो अनद्रुत और एक लघु से या दो अनद्रुत और दो द्रुत से लिखा जायेगा चाहे लघु पहले हो और द्रुत पीछे जैसे धा……न या द्रुत पहले हो और लघु पीछे जैसे गि……ता।

लघु द्रुत — द्रुत लघु

या तीन हरकतें याने तीन द्रुत जैसे क…धि…टि या दो अनद्रुत और एक लघु

द्रुत द्रुत द्रुत

से जैसे कि……ड़ि……धा और या दो अनद्रुत और दो द्रुत से जैसे

अनद्रुत अनद्रुत लघु

कि……ड़ि……दिं……दिं

अनद्रुत अनद्रुत द्रुत द्रुत

नीचे लिखे बोलों को बजाने का अभ्यास पहले करना चाहिये।

तीं, ता, ना, तिन, ड़ा, दो, धिन धीं, धा, धित, कत, के, गे, घे, दिन तिन दीं।

खुले बायें और बन्द बायें की परिभाषा।

खुला बायां।

खुला बांया उसको कहते हैं कि बायें हाथ की दूसरी या तीसरी उंगली के सिरे से या दोनों उंगलियों के सिरे से बाँये के मैदान में ज़रब (चोट) लगाते हैं और उंगलियों को फौरन उठा लें इस ग़रज़ से कि गूंज दार आवाज़ पैदा हो। और वह गूंज दार आवाज़ जो बांये से निकले उसका नाम खुला बांया है और इस आवाज को घे कहते हैं चित्र नं० २ देखो:–

चित्र नं० २, बोलः—घे

बन्द बायां

बन्द बायां उसको कहते हैं कि बायें हाथ की सब उंगलियां टेढ़ीकर के बायें पर ज़रब (चोट) मारते हैं और उंगलियां फौरन नहीं उठाते इस लिये कि आवाज़ बन्द रहे। और बगैर गूंज की आवाज़ जो बायें से निकले उसका नाम बन्द बायां है और वह आवाज़ जो पैदा होती है उसे **के व गे** कहते हैं चित्र नं० ३ देखो।

बोलः—के व गे

चित्र नं० ३,

नोटः—पहली उगंली किसी क़दर टेढ़ी हो कर हथेली की तरफ़ झुकी रहती है और चित्र में पहली उगंली याने अंगूठा दूसरी उंगली के आड़ में आ गई है।

बोलः—दिन, तिन, दीं, तीं:—यह चारो बोल दूसरी उगंली के सिरे से उगंली को सीधा करके तबले के मैदान में एक मात्रे के मिज़ाज से इस तरह अदा किये जाते हैं कि ज़रब मारते ही उगंली उठा ली जाती है इस लिये कि सुरीली आवाज़ पैदा हो अगर उगंली वहीं जमी रहेगी तो तबले की आवाज़ बन्द रहेगी, चित्र नं० ४ में उस जगह जहां ज़रब लगाई जाती है और हांथ की सूरत देखो

चित्र नं० ४ बोलः—दिन, तिन, और, दाँ, ताँ,
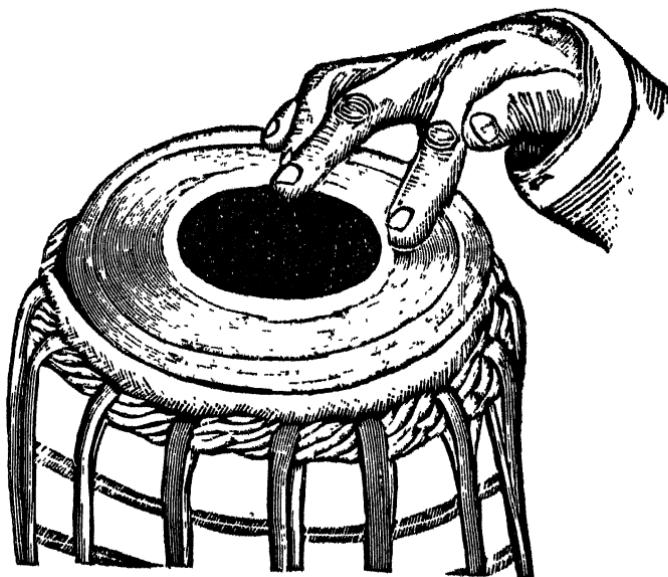
बोलः— ता।

दूसरी उंगली के सिरे से चाटी पर ज़ोर से ज़रब लगाते हैं और उंगली का सिरा गोट की हदसे तबले के मैदान की तरफ किसी कद्र बाहर रहता है याने कुछ हिस्सा उंगली केसिरे का मैदान में रहता है और बाकी चाँटी पर। चित्र नं० ५ देखो

चित्र नं० ५ बोलः—ता

नोटः—इस चित्र में दूसरी उंगली का सिरा चांटी पर लगा हुआ है और चौथी उंगली का सिरा तबले के मैदान में हलका टिका हुआ है और बाकी सब उंगलियां अलग हैं
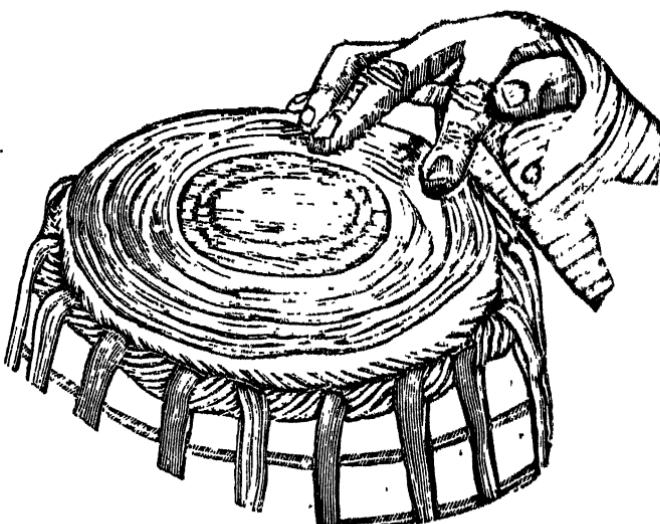
बोलः—ना

चित्र नं० ६.

नोटः—इस चित्र में पांचवी उंगली और उंगलियों की आड़ में आ गई है।

——o——

बोलः—तित

दूसरी—तीसरी और चोथी उंगली को एक साथ मिलाकर किसी कदर टेढ़ी करके उंगलियां के सिरे से स्याही के बीच में ज़रब मारते हैं और उङ्गलियां फौरन नहीं उठाते इस लिये कि आवाज़ बन्द रहे मगर ज़्यादा ज़ोर तीसरी उंगली पर रहता है। चित्र नं० ७ देखो।

— ———

बोल:—तित

चित्र नं० ७

नोट:—तित को तिट भी कहते हैं।

बोल—ड़ा ।
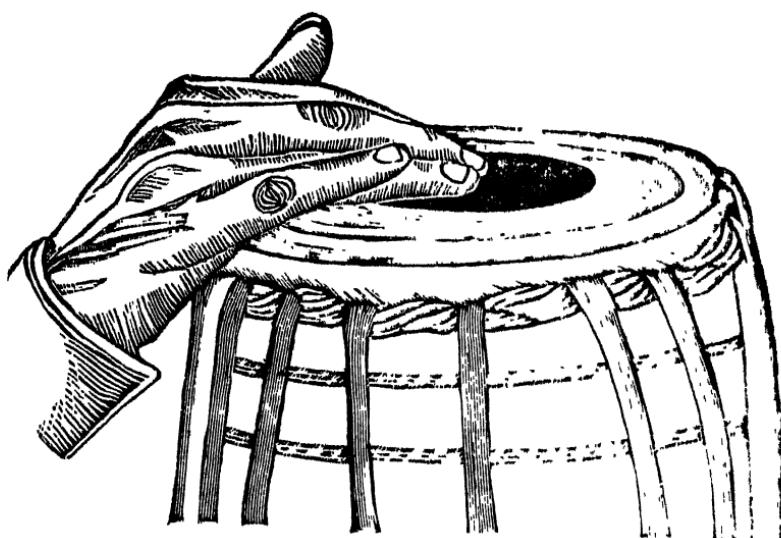
चौथी उंगली के सिरे से किसी कदर सीधी गरदिश के साथ स्याही की कगर पर यानी कुछ हिस्सा स्याही का दबाकर हलकी ज़रब एक मात्रे के मिज़ाज से लगाते हैं और उंगली को फौरन नहीं उठाते इस लिये कि आवाज़ बन्द रहे चित्र नं० ८ देखो।

बोल:—ड़ा

चित्र नं० ८
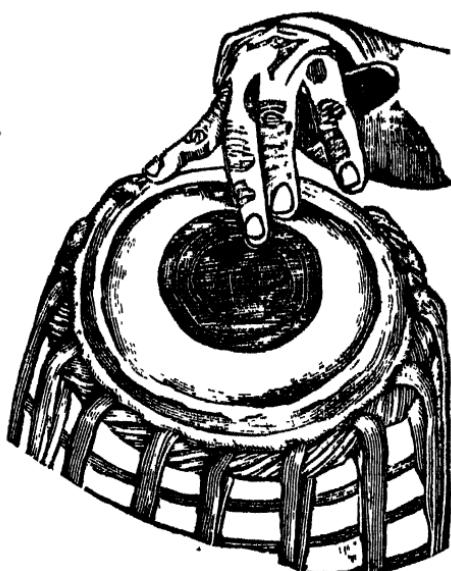
नोट:—सिर्फ चौथी उंगली टिकी हुई है और बाकी सब अलग हैं।

नोटः—नं० १—ड़ि को यदि एक मात्रे मिज़ाज से अदा करोगे तो ड़ा हो जायेगा और द्रुत और अनद्रुत के मिज़ाज से अदा करोगे तो ड़ि रह जायेगी।

२ नोटः—बोल ति और टि के लिये स्याही का बीच मुकर्रर किया गया है याने ये बोल स्याही के बीच से अदा किये जायेंगे और इसकी आवाज़ खटकेदार है और रि और ड़ के लिये स्याही का किनारा मुकर्रर है इनकी अवाज़ बनिस्बत उनके बहुत नर्म है, और उनका अदा करने का तरीका भी दूसरा है।

बोलः—दी

दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवी उंगली को एक़ साथ जोड़कर सीधा करके उगलियों के आखिरी हिस्से से जो हथेली से मिला हुआ है चांटो पर एक मात्रे के मिज़ाज से ज़रब लगाते हैं, इस तरह से कि मैदान में भी ज़रब लगे याने आखिरी हिस्सा का कुछ हिस्सा चांटी पर और कुछ हिस्सा मैदान पर रहे। चित्र नं० ६ देखो।

बोलः—दी

चित्र नं० ६
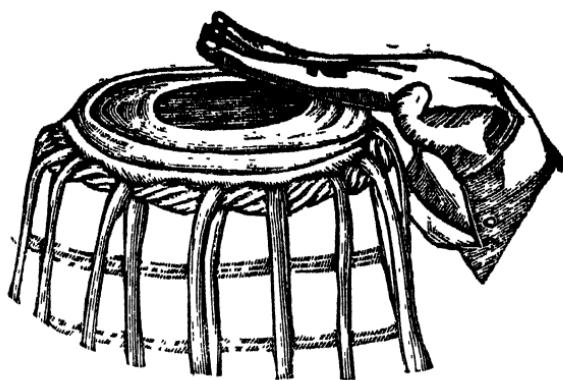
नोटः—चित्र में पांचवीं उंगली और उंगलियों की आड़ में आ गई है और वह भी मिस्ल इनके सीधी है याने जिस प्रकार ये सीधी हैं इसी तरह पांचवीं उंगली भी सीधी है।

बोल ओ कि दायें और बायें से एक साथ अदा किये जायेंगे:—

धिन और **धीं**:—ये बिलकुल **तिन** और **तीं** की तरह अदा किये जाते हैं, सिर्फ खुला बायां और हम ज़रब किया जाता है याने दांये, बायें पर दोनों हाथ की ज़रब साथ ही पड़ती है।

नोट:—दायें में **तिन** व **तीं** अदा करो और उसी के साथ बायें में **घे** बोल एक मात्रे के मिज़ाज से आदा करो तो दोनों एक साथ अदा करने से **धिन** और **धीं**, बोल की आवाज़ पैदा होगी।

बोल:—धा।

यह बोल बिलकुल **ता** की तरह अदा किया जाता है सिर्फ खुला बांया और हम ज़रब किया जाता है—जिस तरह ऊपर समझाया गया है।

बोल:—धित

यह भी बिलकुल **तित** की तरह अदा किया जाता है सिर्फ खुला बायां और हम ज़रब किया जाता है याने दायें में **तित** और बायें में **घे** एक साथ अदा करो एक मात्रे या एक लघु के मिज़ाज से, तो दोनो बोलों के एक साथ अदा करने से जो आवाज़ पैदा होगी वह **धित** बोल होगा और इस बोल को **धिद्** भी कहते हैं।

बोल:—तिटि

यह बोल इस तरह से अदा किया जायेगा:—पहल तीसरी उंगली के सिरे से किसी क़दर सीधी गरदिश के साथ स्याही के बीच में ज़रब लगा के **ति** अदा करो और उंगली को मत उठाओ—फिर दूसरी उंगली के सिरे से उलटी गरदिश दे कर ज़रब लगा कर **टि** अदा करो—तीसरी उंगली हाथ की गरदिश से आप ही उठ जायेगी, यह बोल बराबर दो द्रुत के हैं याने **ति** बराबर एक द्रुत और **टि** बराबर एक द्रुत दोनो मिल कर कुल एक मात्रा के बराबर हुआ। बोल के दोनो द्रुत एक रफ़तार से अदा करो। चित्र नं० १० व ११ देखो॥

बोलः—ति
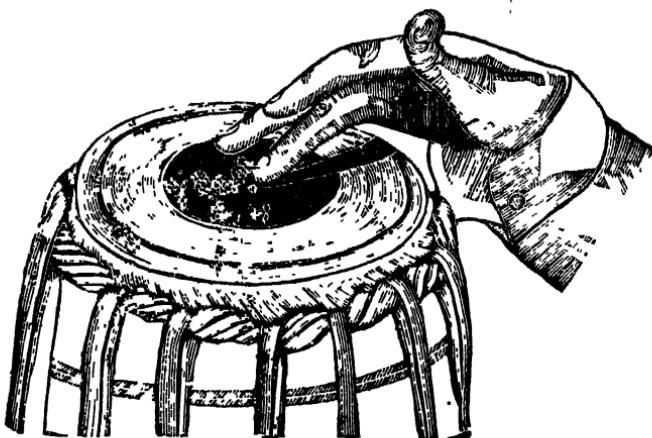
चित्र नं० १०

नोटः इस चित्र में पांचवीं उंगली और उंगलियों की आड़ में छिप गई है।

बोलः—टि

चित्र नं० ११
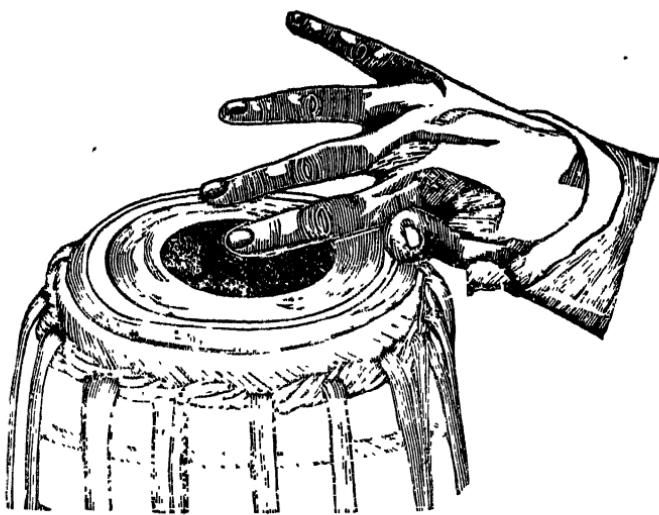
दूसरा तरीका, तिटि—बोल अदा करने का

इसके अदा करने का यह तरीका है मगर जब कि यह बोल कई एक एक साथ आवें जैसे तिटि तिटि या तिटि तिटि तिटि या इससे भी ज़्यादा बोल एक साथ आवें तो इस प्रकार अदा करोः—

पांचों उंगलियां वाहम (एक साथ) जोड़ कर हथेली के दायें और वायें रूख से रगड़ के साथ अदा करते हैं लेकिन गरदिश वही रहती है जो कि पहले तरीके में बता चुके।

नोटः—तिटि, तति, कत, तकिटि, तकु, तका, तिरिक, तिरिकिटि, किटितक, तिटिकत, कितिरि, घति, धिन, तधिंन तधा, ततिटि, धतिटि, किड़तकिटि, तित इन सब के पहले के १८ बोलों में और बाद के एक बोल में जितने ति है सब स्याही पर वे अदा की जाती हैं—सिर्फ तति की पहली त चांटी पर अदा कि जायेगी, और ता, तदिन, तगि, तगिन, गिता, तत, कित, किड़तान, तति, इन सब बोलों की त चांटी पर अदा की जायेगी, सिर्फ तति की दूसरी त स्याही पर अदा की जाती है। तिन, तीं, तींना, तिंन, तिंई, तिंगि, तिंगिन, तिंनगिन, तिंनकि, तींगि, तिंनगिन :—इन सब बोलों की ति जो है उस पर अंग का मात्रा है तो यह ति तबले के मैदान में अदा की जाती है—और ताड़ि, तगे, की त मैदान तबला में निस्फ (आधी) स्याही दवा कर थाप से अदा की जाती है।

बोल :—दींना व तींनाः—दूसरी उंगली के सिरे से तबले के मैदान में जिस तरह दीं अदा किया जाता है उसी प्रकार दीं अदा करो—फिर चांटी पर उसी उंगली के सिरे से जिस प्रकार ना अदा किया जाता है ना अदा करो दोनों मात्रे एक रफतार से। पहले के चित्र नं० ४ और चित्र नं० ६ देखो।

बोल :—दिंन व तिंनः :—ये बोल बिलकुल दींना और तींना की तरह अदा करो, सिर्फ फर्क इतना है कि वह दो दो मात्रे के बोल हैं और यह दो दो द्रुत के, वे लघु के मिज़ाज से अदा किये जायेंगे और यह द्रुत के मिज़ाज से।

नोट :— यह बात याद रक्खो कि जिस बोल को जिस मात्रे के मिज़ाज से अदा करोगे वही उसकी हक़ीक़त होगी और बोल उसी प्रकार अदा किये जायेंगे जिस प्रकार चित्र से समझ चुके हो। यानी यदि बोल को लघु के मिज़ाज से अदा

करोगे तो लघु, और द्रुत के मिज़ाज से अदा करोगे तो द्रुत, और अनद्रुत के मिज़ाज से अदा करोगे तो अनद्रुत, और अन अनद्रुत के मिज़ाज से अदा करोगे तो अनअन द्रुत उसकी हक़ीक़त हो जायेगी।

बोलः-दिन, पहले दूसरी उङ्गली के सिरे से उलटी गरदिश देकर तबले के मयदान में फिसलवां उठती हुई ज़र्ब लगा के **दि** बोल को अदा करो फिर तीसरी उङ्गली के सिरे से सीधी गरदिश के साथ उसी जगह फिसलवां उठती हुई ज़र्ब (चोट) लगा के **न** बोल को अदा करो, दोनों द्रुत एक रफ़तार से अदा करो, यह दोनों द्रुत मिल कर एक मात्रे के बराबर हुआ चित्र नं० १२ और १३ देखो।

बोलः—दि

चित्र नं० १२
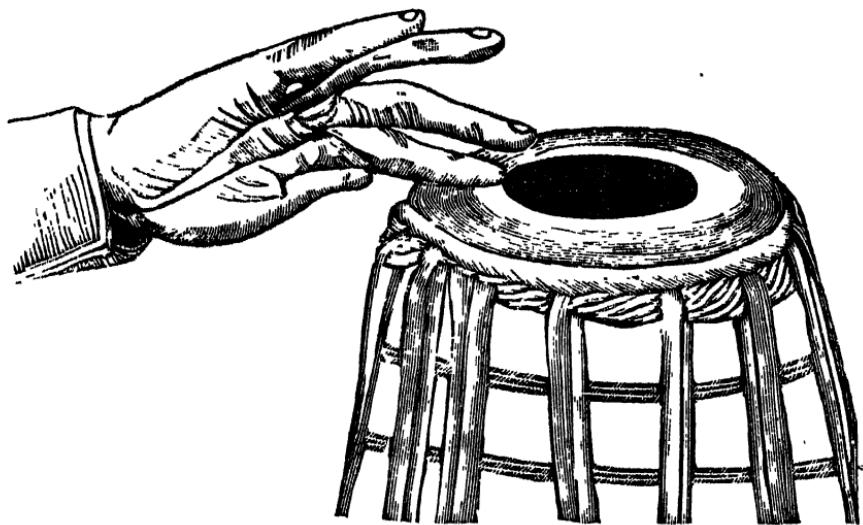
नोटः-इस चित्र में सब उङ्गलियां अलग हैं सिर्फ दूसरी उंगली का सिरा तबले के मैदान में टिका हुआ है।

बोलः—न

चित्र नं० १३
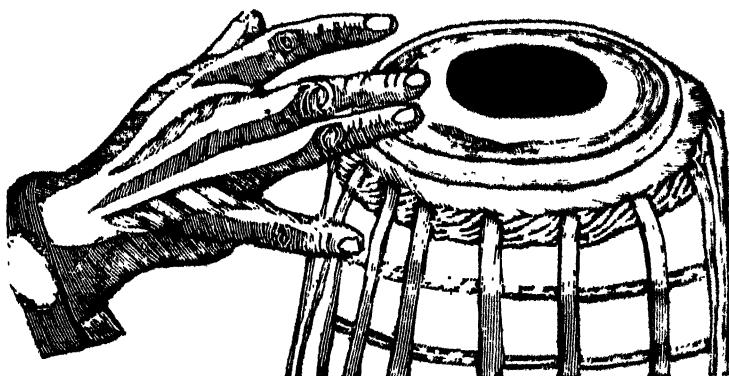
नोटः- इस चित्र में तीसरी उंगली का सिरा तबले के मैदान में टिका हुआ है और बाकी सब उंगलियां अलग हैं।

नोटः-१ **न** बोल को असल में चोटी पर अदा किया जाता है परन्तु लोग आसानी की ग़र्ज़ से तबले के मैदान में भी अदा करते हैं।

१ दिन, २ दिनिन, ३ दिनगिन, ४ तिनगिन, ५ दिंगिन, ६ दींगिन, ७ तगिन, ८ तघिन, ९ नगिन, १० धघिन, ११ गिदिगिन, १२ धिन, १३ धिनिन, १४ धिनघिन, १५ धिंघिन, १६ धींघिन, १७ घिदिघिन,। बोल नम्बर २, व ३, व ४ व १३ व १४ का पहिला **न** और बोल नम्बर ५ व ६ व ९ व १५ व १६ का आखीरी **न** और बोल नम्बर १ व ७ व ८ व १० व ११ व १२ व १७ का **न** तबले के मैदान में अदा करना चाहिये। अगर बोल **गिदिगिन** और **घिदिघिन** का **न** चौथी उङ्गली के सिरे से तबले के मैदान में अदा किया जाता है क्योंकि आसानी इसी में है लेकिन गरदिश वही रहेगी जो तीसरी उंगली की है।

बोलः—दिनिन

इस बोल को तबले के मैदान में जिस जगह और जिस तरीके से **दिन** अदा किया था बिलकुल उसी जगह और उसी प्रकार **दिनि** अदाकरो और आख़ीर

की न चांटी पर अदा करो, तीनों बोल जो कि एक एक द्रुत के बराबर हैं, एक रफ़तार से अदा करो जो कि तीनों द्रुत मिलकर डेढ़ मात्रे के बराबर हुआ। चित्र नं० १२ और १३ और चित्र नं० ६ देखो। जिनका बयान आगे बता चुके हैं।

बोलः—ताड़ि

इस बोल को इस प्रकार अदा करो, पांचवीं उंगली से तबले की आधी हिस्से के करीब स्याही दबा कर ज़र्ब लगाओ, यानी इस प्रकार ज़र्ब लगाओ कि आधी स्याही पर ज़र्ब पड़े। हाथ की झोंक से चौथी उंगली की ज़रब आप ही से मैदान तबला में लगेगी; और ज़र्ब लगाते ही हाथ उठा लो जिससे किं आवाज़ बन्द न हो; यह ज़र्ब एक मात्रे के मिज़ाज से लगाओ और बोल, **ता**, अदा करो फिर दूसरी उङ्गली के सिरे से स्याही का किनारा बायें तरफ का दबाकर एक द्रुत के वज़न से ज़र्ब लगा के **ड़ि** बोल को अदा करो। दोनों बोल के दोनों मात्रे मिल कर डेढ़ मात्रे के बराबर हुआ। चित्र नं० १४ और १५ देखो।

—o—

बोलः—ता

चित्र नं० १४

इस **ता** को थाप की **ता** कहते हैं।

नोट :—थाप लगाने का यह तरीका है कि पट हाथ को कुछ तिरछा करके सब उङ्गलियां सीधी रखते हैं और पांचवीं उङ्गली से आधी स्याही दबा कर तबले के मैदान में तिरछी ज़र्ब लगाते हैं और हाथ उठा लेते हैं।

बोलः—ड़

चित्र नं० १५

नोटः—इस चित्र में दूसरी उङ्गली स्याही पर टिकी हुई है और बाकी उङ्गलियां सब अलग हैं।

बोलः—नारि

पहले चांटी पर दूसरी उङ्गली के सिरे से चित्र नं०६ के अनुसार एक लघु के मिज़ाज से ज़र्ब लगा कर न अदा करो, फिर चित्र नं० ८ की तरह तीसरी उङ्गली के सिरे से स्याही की कगर पर एक द्रुत के वज़न से ज़र्ब लगा कर रि अदा करो। दोनों बोल के दोनों मात्रे मिल कर डेढ़ मात्रे के बराबर हुआ। बोल रि और ड़ि ये एक ही तरह अदा किये जाते हैं।

बोलः—तिँई

इस बोल को तबले के मैदान में बिलकुल तीं की तरह अदा करते हैं, सिर्फ इतना फर्क है कि वह एक मात्रा के बराबर है और यह डेढ़ मात्रे के बराबर है। इस प्रकार से कि पहले एक द्रुत की ज़र्ब चित्र नं० ४ की तरह लगाओ फिर एक मात्रे का ठहराव दो।

बोलः—तिंइं

यह बोल बिलकुल तिँई की तरह अदा किया जाता है।

सिर्फ फ़र्क इतना है कि बोल तिंईं बराबर है डेढ़ मात्रे के और यह बराबर है बिराम द्रुत के. इस लिये पहले एक अनद्रुत के मिज़ाज से बोल ति अदा करो फिर एक द्रुत के वज़न का ठहराव दो. कुल पौन मात्रे के बराबर हुआ।

बोलः—तति

पहिले चित्र नं० ५ की तरह एक द्रुत के मिज़ाज से—फिर चित्र नं० १० की तरह एक द्रुत के वज़न से ज़र्ब लगाओ-कुल एक लघु या बराबर एक मात्रे के हुआ।

बोल :—तत

यह बोल में चित्र नं० ५ की तरह दो ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ जो कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—तटिति

पहिले चित्र नं० ११ की तरह एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से फिर चित्र नं० १० की तरह याने चित्र नं० १० के कायदे की तरह एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से फिर चित्र नं० ११ के कायदे की तरह एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ. कुल डेढ़ मात्रा हुआ। बोल ति और टि ये एक ही तरह और एक ही मुकाम पर अदा किये जाते हैं।

बोलः—दिंदिं

यह बोल में चित्र नं० ४ के कायदे से दो ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज स लगाओ, कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—दिं दिं न

यह बोल में चित्र नं० ४ के कायदे से दो ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज से, फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—नन

यह बोल में चित्र नं० ६ के कायदे से दो ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक लघु या एक मात्रा हुआ।

बोलः—तदिन

यह बोल में चित्र नं० ५ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से—फिर चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—दिंनन

यह बोल में चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से—फिर चित्र नं० ६ के कायदे से दो ज़र्ब एक २ द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

वे बोल जो कि कुछ बायें और कुछ दायें से अदा किये जाते हैं।

बोलः—किन व गिन यह बोल अदा करने का यह तरीका है कि पहले बन्द बांयां एक द्रुत के मिज़ाज से लगा कर **कि** अदाकरो फिर दूसरी उङ्गली के सिरे से चांटी पर **न** बोल को एक द्रुत के मिज़ाज से अदा करो, दोनों द्रुत एक वज़न से अदा करो। कुल एक लघु (मात्रा) हुआ। चित्र नं० ३ और चित्र नं० ६ देखो। इसी प्रकार **गिन** भी अदा किया जाता है।

बोलः—तगि, यह बोल में चित्र नं० ५ के क़ायदे से पहिले एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ—फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—नगि, यह बोल में चित्र नं० ६ के क़ायदे से पहिले एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ—फिर चित्र नं० ३ के क़ायदे से दूसरी ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दोनों द्रुत मिल कर एक मात्रा या एक लघु हुआ।

बोलः—कत, यह बोल में पहिले चित्र नं० ३ के क़ायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० १० के क़ायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ और दोनों द्रुत बग़ैर गरदिश के एक रफ़तार से अदा करो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—कित, यह बोल में पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ५ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—तिंगि व दिंगि, यह बोल में पहिले चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—तगिन, यह बोल में पहिले चित्र नं० ५ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० १३ के कायदे से एक ज़र्ब लगाओ, तीनों जर्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—नगिन, यह बोल में पहिले चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० १५ के कायदे से एक ज़र्ब, एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तकिटि, यह बोल में पहिले चित्र नं० ११ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब तीनों एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक बिराम लघु या डेढ़ मात्रे के बराबर हुआ। चूंकि **ति** और **टि** एक ही मुकाम पर अदा किये जाते हैं इस लिये बाज़ मौके पर **ति** को दूसरी उंगली के सिरे से और **टि** को तीसरी उंगली के सिरे से अदा कर लिये जाते हैं।

बोलः—नकिटि, यह बोल में पहिले चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब फिर चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब बग़ैर गरदिश, सब एक, एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तकु, तीसरी उङ्गली के सिरे से बग़ैर गरदिश, चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के बराबर लगा कर **त** अदा करो फिर बन्द बायाँ लगाओ, इस की भी ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से हो। कुल एक मात्रा हुआ। चित्र नं० १० और चित्र नं० ३ देखो।

बोलः—दिंगिन और तिंगिन, यह बोल में पहिले चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब

एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

नोट—त और द यह बोल एक ही तरह से अदा किये जाते हैं।

बोलः—दींगिन, यह बोल में पहिले चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु (मात्रा) के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदेसे और फिर चित्र नं० ६ के कायदे से, एक एक ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। तीनों ज़र्बें की मात्रा मिलाकर दो मात्रे के बराबर हुआ।

बोलः—दिनगिन और तिनगिन, इस बोल में पहिले चित्र नं० १२ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० १३ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० ३ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रा हुआ।

बोलः—तिंनकि, इस बोल में पहिले चित्र नं० ४ के कायदे से फिर चित्र नं० ६ के कायदे से और फिर चित्र नं० ३ के कायदे से तीन ज़र्ब एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—गिदी, यह बोल में चित्र नं० ३ के कायदे से पहिले एक ज़र्ब एक द्रुत के रफ़तार से लगाओ-फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—गिदि, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नंबर ३ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ६ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—दींगि, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तींगि, यह बोल भी बिलकुल बोल **दींगि** की तरह अदा किया जाता है।

बोलः—दिंनगिन व तिंनगिन, इस बोल में पहिले चित्र नं० ४ के कायदे के अनुसार फिर चित्र नं० ६ के कायदे के अनुसार फिर चित्र नं० ३ के कायदे के अनु-

सार फिर चित्र नं० ६ के कायदे के अनुसार चार ज़र्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रा हुआ।

बोलः—किड़िदिन, इस बोल में चित्र नं० ३ के अनुसार फिर चित्र नं० ८ के अनुसार दो ज़र्बें एक एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ४ के अनुसार एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—किड़ितान, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ८ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के रफ़तार से लगाओ फिर चित्र नं० ५ के कायदे से एक ज़र्ब एक मात्रे के रफ़तार से लगाओ फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रा हुआ।

बोलः—गिगिनगि, इस बोल में पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से दो ज़र्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ! कुल बराबर दो मात्रे के हुआ।

बोलः—किड़ि, इस बोल में पहिले चित्र नं० ३ के अनुसार एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ८ के अनुसार एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल आधे मात्रे या एक द्रुत के बरावर हुआ।

बोलः—किड़िनकि और गिड़िनगि, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ और फिर चित्र नं० ८ और फिर चित्र नं० ६ और फिर चित्र नं० ३ के कायदों के अनुसार चार ज़र्बें एक एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—तिरिक, इस बोल में पहिले चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० १५ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ बग़ैर गरदिश के फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—तिरिकिटि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० १६ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ—फिर चित्र नं० १० के

कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज में लगाओ। चारों अनद्रुत मिल कर एक मात्रा हुआ।

बोलः—रि

चित्र नं० १६

—०—
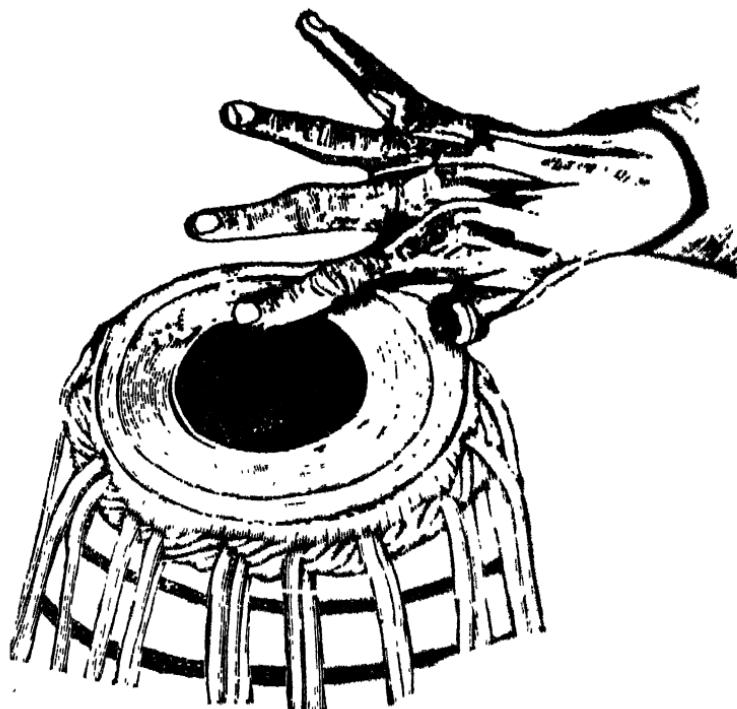
बोलः—किटि, यह बोल में पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ११ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, कुल एक मात्रा है।

बोलः—किटितक, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के अनुसार फिर चित्र नं० ११ के अनुसार फिर चित्र नं० १० के अनुसार फिर चित्र नं० ३ के अनुसार चार ज़र्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—तका, इस बोल में पहिले चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ या चित्र नं० ११ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से, जैसा मौक़ा हो फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तगे, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं० १४ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के वज़न से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के वज़न से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—गिता, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे के अनुसार, एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ५ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—गिदिगिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ—फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ फिर चित्र नं० ३ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ. फिर चित्र नं० १३ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ—कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—गिदिंन, इस बोल को इस तरह से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ४ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल सवा मात्रा हुआ।

बोलः—क्धिटि, इस बोल को इस प्रकार से अदाकरो कि पहिले बन्द बांया एक द्रुत के मिज़ाज से याने चित्र नं० ३ के कायदे से लगाओ फिर चित्र नं० १० और चित्र नं० २ के कायदों अनुसार एक साथ एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगा कर धा बोल अदा करो, फिर चित्र नं० ११ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—किड़ान, इस बोल को इस तरह अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ८ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ६ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—किड़िधा, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ८ के

कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के कायदों से एक ज़र्ब दोनों में एक साथ एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—किड़िध, इस बोल को बिलकुल **किड़िधा** बोल की तरह अदा करो सिर्फ बोल **धा** को एक द्रुत के मिज़ाज से अदा करो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—किड़िधान, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले **किड़िधा** की तरह से बिलकुल बोल **किड़िधा** अदा करो। फिर चित्र नं० ६ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; कुल दो मात्रे हुये।

बोल :—किड़िधित, इस बोल को इस प्रकार से अदाकरो कि पहिले जिस प्रकार से कि ऊपर के बोलों में **किड़ि** अदा कर चुके हो बिलकुल उसी प्रकार अदा करके फिर चित्र नं० ७ और चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब दांये और बांये में एक साथ एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—किड़ितकिटि, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले बोल **किड़ि** को जिस प्रकार ऊपर अदा कर चुके हो **किड़ि** अदा करो फिर बोल **तकिटि** को जिस प्रकार ऊपर अदा कर चुके हो **तकिटि** को अदा करो। तो दो अनद्रुत और तीन द्रुत मिलकर दो मात्रा हुआ।

बोलः—किड़िदिं दिं, बोल **किड़ि** और **दिं दिं** को पहिले ऊपर अलग २ अदा कर चुके हो, यहां पर दोनों बोल को एक साथ अदा करो। कुल दो अनद्रुत और दो द्रुत मिलकर; डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः— कितिरि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० १६ के कायदे से एक ज़र्ब एक अनद्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धिटि, इस बोल को बिलकुल बोल **तिटि** की तरह अदा करो, सिर्फ **ति** के साथ खुला बांया और लगा दो यानी चित्र नं० १० और चित्र नं० २ का अमल साथ कर दो। कुल एक मात्रा या एक लघु हुआ।

बोलः—धींना, इस बोल को बिलकुल, बोल **तींना** की तरह अदा करो, सिर्फ **तीं** बोल के साथ खुला बांया और लगा दो। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—धिंन, इस बोल को बिलकुल, बोल **तींना** बोल की तरह अदा करो। उसको लघु के मिज़ाज़ से अदा किया था, इसको द्रुत के रफ़तार से अदा करो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धी, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब दोनों में एक साथ एक लघु के मिज़ाज से लगाओ याने दांये में से **ता** और बांये में से **घे** बोलों को एक साथ अदा करो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धिन, इस बोल को बिलकुल **दिन** की तरह अदा करो सिर्फ पहिले द्रुत के साथ (याने बोल **दि** के साथ) खुला बायां और हम ज़र्ब कर लो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धिनिन, इस बोल को बिलकुल **दिनिन** की तरह अदा करो सिर्फ पहिले बोल के साथ (याने **दि** के साथ) जो कि द्रुत के वज़न का है उसके साथ खुला बायां और हम ज़र्ब करलो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोल :—धाड़ि, इस बोल को बिलकुल **ताड़ि** की तरह से अदा करो-सिर्फ बोल **ता** के साथ खुला बायां और लगा दो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धिंई, इस बोल को बिलकुल बोल **तिंई** की तरह से अदा करो सिर्फ **तिं**, के साथ खुला बायां और हम ज़र्ब करलो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धिंइ, इस बोल को बिलकुल **तिंइ** की तरह अदा करो, सिर्फ बोल **तिं** जो कि एक द्रुत के वज़न का है, इसके साथ खुला बायां और लगा दो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः— धति, इस बोल को बिलकुल बोल **तति** की तरह से अदा करो सिर्फ बोल **त** के साथ जो कि एक द्रुत के वज़न का है खुला बायां और हम ज़र्ब कर लो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—थथ, इस बोल को बिलकुल बोल **तत** की तरह अदा करो। सिर्फ दोनों बोल के साथ जो कि द्रुत के वज़न के हैं याने बोल **तत** के साथ खुला बायां और लगा दो; कुल एक मात्रा हुआ।

बोल:—थतिटि, इस बोल को बिलकुल **ततिटि** की तरह अदा करो-सिर्फ पहिले **त** के साथ (जो कि द्रुत के वज़न का है) खुला बायां और हमज़र्ब कर लो; कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोल.—घिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ-फिर चित्र नं० ६ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोल.—धंघि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ५ के अनुसार और चित्र नं० २ के अनुसार साथ ही एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—नघि, इस बोल को इस प्रकार अदा करो, कि पहिले चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोल:—धिंघि, इस बोल को बिलकुल बोल **तिंगि** की तरह अदा करो सिर्फ पहिले द्रुत के साथ (**तिं** के साथ) खुला बायां और लगादो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धींघि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के अनुसार से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से दायें, बायें में एक साथ लगाओ। फिर चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धंघिन, इस बोल में पहिले चित्र नं० ५ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज़ से लगाओ और इसी के साथ खुला बायां भी हम ज़र्ब कर लो फिर चित्र नं० २ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० १२ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चांटी पर दूसरी उङ्गली के सिरे से ज़र्ब लगा कर बोल, **त**, को अदा करो फिर खुला बायां लगा कर बोल, **धि**, अदा करो। फिर तबले के मैदान में तीसरी उङ्गली के सिरे से ज़र्ब लगा कर कर बोल, **न**, अदा को। तीनों ज़र्बें एक एक द्रुत के वज़न की हों। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धकिटि, इस बोल को बोल, **तकिटि** की तरह अदा करो सिर्फ पहले द्रुत के **त** के साथ खुला बायां और हम ज़र्ब कर लो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धिंधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० ४ के कायदे अनुसार और चित्र नं० २ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से दायें और बायें में एक साथ लगाओ, फिर चित्र नं० २ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० १३ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धींधिन, इस बोल को बिलकुल **धिंधिन** बोल, की तरह से अदा करो। सिर्फ इतना फर्क है कि बोल **धिंधिन** में **धिं** की ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाया था यहां पर वह ज़र्ब (याने चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ का अमल एक साथ) एक लघु के मिज़ाज से करो। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—धिनधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० १२ के अनुसार और चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से दांये और बांये में एक साथ लगाओ; फिर चित्र नं० १३ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। चारों द्रुत मिलकर दो मात्रे हुये।

बोलः—धिंनधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से दांये और बांये में एक साथ लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज

से लगाओ ; फिर चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—धिंनधिं, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहले चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से दायें और बायें में एक साथ लगाओ ; फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ ; फिर चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से अगाओ; तीनों द्रुत एक रफ़्तार से अदा करो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—घिदि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ ; फिर चित्र नं० १ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—घिदिघिन, इस बोल में पहिले चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ ; फिर चित्र नं० १ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ ; फिर चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ ; फिर चित्र नं० १३ के सनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—किड़िधकिटि, इन दोनों बोलों को ऊपर अलग २ अदा कर चुके हो (याने बोल, **किड़ि** को और **धकिटि** को) यहां दोनों को जोड़ दो। पहिले **किड़ि** को दो अनद्रुत के मिज़ाज से अदा करो; फिर **धकिटि** को तीन द्रुत के मिज़ाज से अदा करो। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—किड़िधिन, इन दोनों बोलों को भी (याने **किड़ि** और **धिन**) को ऊपर अलग २ अदा कर चुके हो। यहां पर दोनों को जोड़ दो। **किड़** बोल को दो अनद्रुत के रफ़्तार से अदा करो और **धिन** बोल को एक लघु के मिज़ाज से अदा करो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—किड़िधिं इस बोल को बिलकुल **किड़धिन** की तरहसे अदा करो सिर्फ फर्क यह है कि ऊपर के बोल **धिन** को लघु के मिज़ाज से अदा किया है और इस में द्रुत के मिज़ाज से अदा करो, द्रुत के मिज़ाज से अदा करने से **धिं** रह गया। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धिंनन, इस बोल को इस प्रकार अदा करो कि पहिले चित्र नं ४ और चित्र नं० २ का अमल एक साथ एक द्रुत के रफ़्तार से करो। फिर चित्र नं० ६ के अनुसार दो ज़र्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—घिघिनघि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० २ के अनुसार दो ज़र्बें एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; चारों द्रुत एक रफ़तार से अदा करो। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः—घिड़िनघि, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, कि पहिले चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ८ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। चारों द्रुत एक रफ़तार से अदा करो। कुल दो मात्रे हुये।

बोलः--घिरिकिटि, इस बोल को बिलकुल बोल **तिरकिट**, की तरह अदा करो, सिर्फ पहिले बोल **ति** के साथ जो कि एक अनद्रुत के वज़न का है इसके साथ खुला बायां और लगा दो। चारों अनद्रुत एक रफ़तार से अदा करो। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः---घिधा, इस को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ५ के अनुसार और चित्र नं० २ के अनुसार एक साथ एक ज़र्ब दायें और बायें में एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः--घिड़ान, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ८ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र ६ के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज़ से लगाओ। कुल दो मात्रे हुए।

बोलः---घिदीं, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ४ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः---घिनघि, इस बोल को इस तरह से अदा करो कि पहिले चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ६ के

कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—घिना, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० २ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० ६ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो पहिले चित्र नं० १० के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० १२ और २ के कायदों से एक ज़र्ब एक साथ दायें और बायें में एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ, फिर चित्र नं० १३ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ तीनों द्रुत को एक रफ़तार से अदा करो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० १० के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से बग़ैर गरदिश के लगाओ, फिर चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब दायें और बायें में एक साथ एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। तीनों द्रुत को एक ही रफ़तार से अदा करो। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—तधा, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० १० के कायदे के अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के कायदों अनुसार एक ज़र्ब एक साथ दायें और बायें में एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—नधा, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के कायदों से एक ज़र्ब एक साथ दायें और बायें में एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धधिन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० ५ और चित्र नं० २ के कायदों से एक ज़र्ब एक साथ दायें और बायें में एक द्रुत के रफ़तार से लगाओ; फिर चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के कायदों से एक ज़र्ब दायें और बायें पर एक साथ एक लघु के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धिंधिंन, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो कि पहिले चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के कायदों अनुसार दो ज़र्बें एक साथ दायें और बायें पर एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ : फिर चित्र नं० ६ के कायदे अनुसार एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल डेढ़ मात्रा हुआ।

बोलः—धिंधिं, इस बोल को इस प्रकार अदा करो, चित्र नं० ४ और चित्र नं० २ के कायदों अनुसार दो ज़र्बें, एक साथ दायें और बायें पर एक एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल एक मात्रा हुआ।

बोलः—धीनड़ान, इस बोल को इस प्रकार से अदा करो, पहिले चित्र नं० २ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ; फिर चित्र नं० ८ के कायदे से एक ज़र्ब एक लघु के मिज़ाज से लगाओ: फिर चित्र नं० ६ के कायदे से एक ज़र्ब एक द्रुत के मिज़ाज से लगाओ। कुल तीन मात्रे हुए।

(१) नोटः—पहिले ऊपर के लिखे हुये बोलों को खूब अच्छी तरह से अदा करने का अभ्यास कर लेना चाहिये, जब तक कि बोल साफ न निकले बराबर उनका अभ्यास करते रहो।

(२) नोटः—ठेकों के गतों और कायदों इत्यादि के बोलों के नीचे जगह कम होने के कारण से द्रुत और अनद्रुत और अनअनद्रुत निम्न लिखित प्रकार से लिखे जायेंगे।

द्रुत.........................द्रु० इस प्रकार लिखा जायेगा

अनद्रुत......................अ०द्रु० " " "

अनअनद्रुत ....अ०अ०द्रु० " " "

(३) नोटः गतों और कायदों इत्यादि में जिस जगहों पर इस तरह का फूल हो (*) वह गत या कायदे इत्यादि बराबर के टुकड़े करने की ग़र्ज़ से है। जैसे १२ अदद के दो टुकड़े करने हों तो इस तरह किये जायेंगे कि ६ अदद पहिले रहेंगे और ६ आखीर में और बीच में फूल रहेगा जैसेः-१, २, ३, ४, ५, ६, * ७, ८, ९, १०, ११, १२,

परिभाषाः—ठेका; कायदा; दोहरा; पलटा; गत; मुहरा; टुकड़ा; पेशकार; परन और साथ की ।

ठेकाः—उसको कहते हैं कि जो ताल जितने मात्रे की हो उसके पैमाइश (नाप) ऐसे बोलों से की जाय कि उस ताल के कुल मात्रे और मुक़ामात ज़र्ब ताल और खाली साफ तौर से ज़ाहिर हो जाय ।

कायदाः—उसको कहते हैं कि दो फिकरे बराबर के सम्मिलित कर के जिस में पहिला फिकरा खुला हो और दूसरा बन्द, और किसी ताल के मात्रों के दो हिस्से बराबर के करके पहिले हिस्से को सम के मुकाम से खुले फिकरे से नापें और दूसरे हिस्से को खाली के मुकाम से बन्द फिकरे से नापें । जैसे धीमा तीताला सोलह मात्रे की ताल है इसका पहिला आधा हिस्सा सम से तीसरी ताल की खाली तक आठ मात्रे का हुआ, इसकी पैमाइश खुले फिकरे से करें जो कि १६ द्रुत के बराबर होगा और खाली से पहली ताल की खालिओं तक दूसरा हिस्सा ८ मात्रे का हुआ, इसकी नाप बन्द फिकरे से करें, यह भी १६ द्रुत के बराबर होगा । खुले फिकरे में खुला बायां ज़्यादा लगाया जाता है; और बन्द फिकरे में बन्द बायां ज्यादा लगाते हैं और आग़ाज बन्द बोल से होता है, इस लिये बन्द फिकरा कहते हैं । चाहे वह कायदा लघु और द्रुत; या लघु और द्रुत और गुरु इत्यादि से सम्मिलित हो ।

दोहराः—इसकी यह तारीफ़ है कि कायदे के सब बोल दुहराये जायें, यानी जिस कायदे से जो बोल ३२ द्रुत के बराबर हों उसके दुहरे के वही बोल ६४ द्रुत के बराबर होने चाहिये ! और विदित हो कि दुहरे में एक सम बीच में भी होता है ।

पलटाः— उसको कहते हैं कि किसी कायदे या दुहरे इत्यादि के बाज़ २ बोल पलट कर बजायें । इसी वजह से इसका नाम पलटा है । यदि कायदे में बाज़ बोलों की सूरत पलट दी है तो कायदे का पलटा कहलायेगा । यदि दोहरे के बाज़ बोलों की सूरत पलट दी है तो दुहरे का पलटा कहलायेगा । यदि पलटे के बाज़ बोलों की सूरत बदली जायेगी तो पलटे का पलटा कहलायेगा । याने जिस चीज़ के बोल पलट कर बजायेंगे उसी का पलटा कहलायेगा और बिलकुल उसी के बराबर होगा ।

गतः— गत उसको कहते हैं कि जिस ताल के बोल १६ मात्रे के बराबर हों उस ताल की गत कम से कम ६४ द्रुत के बराबर हो और जिसके दो हिस्से बराबर के; ३२-३२ द्रुत के बराबर हों और पहिले हिस्से की तरतीब ज़्यादा खुले बोलों से हो, और दूसरे हिस्से के पहले हिस्से के बोल करीब आधे बोल के बन्द हों और बाकी खुले हों और पहिला खुला हिस्सा ३२ के द्रुत के बराबर बजा कर जब दूसरा हिस्सा शुरू करें तो बन्द बोल पर सम ज़ाहिर हो, छोटी गत में एक सम बीच में ज़रूर होता है यानी दूसरे हिस्से के पहिले बोल पर ; और बड़ी बड़ी गतों में कई कई सम बीच में आते हैं; और खुले और बन्द बोल साथ ही बजते जाते हैं।

मुहराः—उसको कहते हैं कि ठेके के सम या सम के बाद किसी दूसरे मुकाम से कोई फिकरा मुर्तिब करके (बना कर) के सम पर आयें; बीच में कोई सम न आये।

टुकड़ाः—उसको कहते हैं कि ठेके के सम के पहिले या बाद के किसी मुकाम से कोई फिकरा मुर्तिब करके सम पर आयें, मगर फिकरा कम से कम इतना बड़ा ज़रूर हो कि ठेके का एक सम फिकरे के किसी मुकाम पर ज़रूर आ जाये।

पेशकारः—यानी आग़ाज कार (शुरू करना) इसकी यह तरीफ है कि जो ताल जितने मात्रे की हो उसके आधे हिस्से के बराबर दो फिकरे बना लें जिसमें पहिला फिकरा खुले बोल से शुरू किया जाये और उसमें खुले बोल ज्यादा हों और दूसरा बन्द बोल से और उसमे बन्द बोल ज्यादा हों औरसम से शुरू करेंतो दो बार बजाने के बाद सम आये। याने जो छोटे २ टुकड़े ठेके के शुरू करने के पहिले बजाये जाते हैं उनको पेशकार कहते हैं।

परनः—इसकी यह तारीफ है कि कोई फ़िकरा सम से या किसी और मुकाम से शुरू करके ज़ब तक तीन या चार बार न बजा लें सम पर न आ सकें।

साथः—इसकी यह तारीफ है कि जिस बंदिश के बोल गाने वाला या किसी साज़ में बजाने वाला बजाये। उसी बंदिश के बोल तबले बायें इत्यादि से अदा किये जायें।

जैसे;

डिड़ डा डिड़ डा ड़ा डा डा ड़ा (साज का बोल)

किड़ धा तक धीं ना दीं ना ना (तबले का बोल)

१. नोटः—ठेके या गतें या कायदे इत्यादि के जिस बोलों के पेश्तर एक लाइन खड़ी होगी और उसके ऊपर इस प्रकार का निशान (×) होगा तो उस बोल पर सम समझना। और यदि इस प्रकार का निशान (०) होगा तो उस पर खाली समझना।

२. नोटः—पढ़ने के आसानी के लिये जो कि कई बोल मिलकर एक लम्बा बोल बनेगा उसके ऊपर एक लम्बा डैस होगा ता कि पढ़ने में बहुत आसानी हो।

जैसे :-

ति टि क त गि दि गि न धा;

इस में पहिले चार बोल अलग अलग लिखे हुये हैं। ति, टि, क, त, फिर इसी प्रकार चार बोल अलग अलग गि, दि, गि, न लिखे हुये हैं और फिर बोल धा लिखा है वे चार चार बोल अलग २ नहीं पढ़े जायेंगे, इसी कारण पहिले के चारों बोल के ऊपर ति से लेकर त तक एक लम्बा डैश है और दूसरे चारों बोल के ऊपर गि से लेकर न बोल तक एक लम्बा डैश है ताकि ये चार चार बोल एक साथ पढ़े जायें और बोल धा अलग, इस प्रकार से :—तिटिकत, गिदिगिन, धा।

३. नोटः—ठेकों और कायदों और गतों इत्यादि के बोलों के नीचे भी मात्रे लिख दिये गये हैं। इस लिये कि जिस बोल के नीचे जो मात्रा लिखा हो वह बोल उसी मात्रे के मिज़ाज से अदा किये जायें।

ठेका धीमा तिताला मात्रा १६

विदित हो कि इस ठेके का कद सोलह मात्रे का है। और इस में चार तालें हैं, यानी पहली, दूसरी तीसरी और खाली। चौथी ताल को खाली कहते हैं। तीन तालें भरी यानी आवाज़ दार जहां ज़र्ब लगाते हैं और एक खाली यानी खामोश जहां ज़र्ब नहीं लगाते और हाथ से झोंक दिखाते हैं। सोलह मात्रों में से चार मात्रे चारों ताल की ज़र्ब के लिये मुकर्रर हैं। और बारह मात्रे जो कि लय के भरती के वास्ते हैं उन में से तीन तीन मात्रे हर ताल की खालियां कहलाती हैं। यानी पहली ताल की तीन खालियां और दूसरी ताल की तीन खालियां और तीसरी ताल की तीन खालियां और खाली की तीन खालियां; और हर तीन मात्रे के बाद ताल की जगह है। इस ठेके का सम दूसरी ताल पर है। मुकामात ज़र्ब ताल इत्यादि ठेके के बोलों में देखकर समझो।

	× २	सम की पहली खाली	सम की दूसरी खाली	सम की तीसरी खाली	३	तीसरी की पहली खाली	तीसरी की दूसरी खाली	तीसरी की तीसरी खाली
बोल	धा	धिन	धिन	धा	धा	धिन	धिन	धा
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

	○ ४	खाली की पहली खाली	खाली की दूसरी खाली	खाली की तीसरी खाली	१	पहली की पहली खाली	पहली की दूसरी खाली	पहली की तीसरी खाली
बोल	धा	तिन	तिन	ता	ता	धिन	धिन	धा
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

धीमे तीताले के ठेके की सूरतें खूब सूरती के लिये।

नं० १. सम से; सोलह मात्रे के बराबर द्रुत, अ, अनद्रुत और लघु से सम्मिलित हैं।

	× २						३			
बोल	धा	ति	रि	क	धिन	धा	धा	दिन	दिन	ता
मात्रा	लघु	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

० ४						१			
ता	ति	रि	क	धिन	धा	धा	धिन	धिन	धा
लघु	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

नं० २. सम से सोलह मात्रे के बराबर द्रुत, अनद्रुत और लघु से सम्मिलित है।

	× २						३			
बोल	धा	ति	रि	क	धिन	धिन	धा	धा	तिन	तिन
मात्रा	लघु	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

० ४						१			
ता	ति	रि	क	धिन	धिन	धा	धा	धिन	धिन
लघु	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

नं० ३, सम से सोलह मात्रे के बराबर, द्रुत, अनद्रुत, लघु और गुरु से सम्मिलित है।

	× २					३			
बोल	धा-आ	कि	ड़ि	धिं	धा	धा	दिन	दिन	ता
मात्रा	गुरु......	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

० ४					१			
ता-आ	कि	ड़ि	धिं	धा	धा	धिन	धिन	धा
गुरु--	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

नं० ४, सम से; सोलह मात्रे के बराबर; द्रुत, अनद्रुत और लघु से सम्मिलित है।

	× २				३					
बोल	धा	धिन	धिन	धा	तद	धा	ति	रि	क	धिन
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु,	लघु,	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु

० ४				१					
धा	दिन	दिन	ता	तद	धा	ति	रि	क	धिन
लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु

नं० ५, सम से; सोलह मात्रे के बराबर; लघु और द्रुत से सम्मिलित है।

	× २				३					० ४			
बोल	धा	घे	ना	घे	ना	कि	ड़ि	घे	ना	ता	के	ना	घे
मात्रा	लघु	लघु	लघ	लघु	लघु,	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

१				
ना	कि	ड़ि	घे	ना
लघु,	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

नोट:—हर सूरत के चक्कर जितनी जितनी बार जी चाहे बांध सकते हो; और फिर जब असली ठेका शुरू करना हो सम से शुरू करो।

ठेका जल्द तीताला मात्रा १६.

यह ठेका मात्रे में बिलकुल धीमें तीताले के बराबर है; सिर्फ बोल और चाल में फर्क है।

	× २				३				० ४			
		सम की पहली खाली	सम की दूसरी खाली	सम की तीसरी खाली		तीसरी की पहली खाली	तीसरी की दूसरी खाली	तीसरी की तीसरी खाली		खाली की पहली खाली	खाली की दूसरी खाली	खाली की तीसरी खाली
बोल	धा	धी	क	धा	धा	धी	क	धा	ता	ती	क	ता
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

पहली की पहली ताली · पहली की दूसरी ताली · पहली की तीसरी ताली

१				
	धा	धीं	कें	धा
	लघु	लघु	लघु	लघु

धीमे तीताले के कायदे और दुहरे और पलटे ।

कायदा नम्बर, १, सम से ३२, द्रुत के बराबर है जो कुल १६ मात्रे के बराबर हुआ ।

	× २				३			
बोल	धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	नघि	दिंन	किन *
मात्रा	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

० ४				१			
तगि	नगि	दिंन	किन	धघि	नघि	दिंन	किन
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

× २				३			
धा	धिन	धिंन	धा	धा	धिन	धिन	धा
लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

० ४				१			
धा	तिन	तिन	ता	ता	धिन	धिन	धा
लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

नोटः—जिस रफ़्तार में पहले ठेका शुरू करो उस से दुनी रफ़्तार में कायदा या दोहरा या पलटा ठेके के सम से शुरू कर के सब बोल बजा करके ठेका उसी पहली रफ़्तार में सम से शुरू कर दो; जिस तरह कायदा ख़त्म

करके ठेका बड़े टाइप से सम से शुरू करके दिखाया है। यह भी याद रक्खो कि हर जगह कायदे इत्यादि खत्म करने के बाद असली ठेके का सम बड़े टाइप से लिखा रहेगा इस के यह माने हैं कि यहां से ठेका पहले की रफ़्तार में सम से शुरू होगा। हर ताल के वास्ते ऐसा ही कायदा होगा।

नोटः— नं० २; असल में द्रुत के रफ़्तार में कायदा इत्यादि बजाने को बराबर की लय कहते हैं; और इसकी दुगुन को जो कि अनद्रुत लय में हो जायगी उसे दुगुन कहते हैं। जब कि कायदे इत्यादि की दुगुन करोगे तो दो बार बजाने से सम पर आओगे।

——:※:——

दोहरा सम से ६४ द्रुत के बराबर; और यह कायदे के बाद बजाया जाता है।

	× २				३			
बोल	धघि	नघि	धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	नघि
मात्रा	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

० ४				१			
धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	नघि	दिंन	किन*
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

× २				३			
तगि	नगि	तगि	नगि	दिंन	किन	धघि	नघि
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

० ४				१				× २
धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	नघि	दिंन	किन	धा
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	लघु

कायदा नम्बर, २, सम से ३२, द्रुत के बराबर, सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है।

	× २				३			
बोल	धघि	तिटि	धघि	तिटि	धघि	नघि	दिंन	किन*
मात्रा	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४				१				× २
तगि	तिटि	तगि	तिटि	धघि	नघि	दिंन	किन	धा
द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

दोहरा सम से; ६४ द्रुत के बराबर; सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है।

	× २				३			
बोल	धघि	तिटि	धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	तटि
मात्रा	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४				१			
धघि	नघि	दिंन	किन	धघि	नघि	दिंन	किन*
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× २				३			
तगि	तिटि	तगि	नगि	दिंन	किन	धघि	तिटि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४				१				× २
धघि	नघि	दिं न	किन	धघि	नघि	दिंन	किन	धा
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	लघु

कायदा; नं० ३. सम से ३२ द्रुत के बराबर द्रुत, और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २							
बोल	ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
मात्रा	द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

३				० ४				
कत	घिन	दिंन	किन*	त	ति	टि	क	त
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०

			१				× २
त	कत	घिन	कत	घिन	दिंन	किन	धा
द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	लघु

दोहरा सम से; ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और अन द्रुत से सम्मिलित है।

	× २							
बोल	ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३			
कत	घिन	कत	घिन
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

०
४

ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
द्रु०	अ० द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

१ ; × २

कत	घिन	दिंन	किन *	त	ति	टि	क	त
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

३

त	कत	घिन	कत	घिन	कत	घिन
द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

०
४

ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

१ ; × २

कत	घिन	दिंन	किंन	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

पलटा सम से; ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत और लघु से सम्मिलित है।

×
२

बोल	ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
मात्रा	द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ० द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०

३ ; ० ४

कत	धा	कत	घिन	ध	ति	टि	क	त
द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

			१			
ध	कत	घिन	कत	घिन	दिंन	किन*
द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× २							
ध	ति	टि	क	त	ध	कत	गिन
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३				० ४				
कत	ता	कत	घिन	ध	ति	टि	क	त
द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

			१				× २
ध	कत	घिन	कत	घिन	दिंन	किन	धा
द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

पलटे का पलटा; सम से ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २							
बोल	ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३							
दिंन	किन	ध	ति	टि	क	त	ध
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

० ४				१			
कत	घिन	दिंन	किन	कत	घिन	द्रिंन	किन *
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× २ … ३

त	ति	टि	क	त	त	कत	गिन	दिं‌न	किन
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

… ० ४

ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन	दिं‌न	किन
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

१ … × २

कत	घिन	दिं‌न	किन	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

कायदा नम्बर ४. सम से; ३२ द्रुत के बराबर लघु और द्रुत से सम्मिलित है।

× २ … ३

बोल	धा	ति	टि	क	त	धा	घिड़ि	नघि	तीं	ना*
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु

० ४ … १ … × २

ता	ति	टि	क	त	धा	घड़ि	नघि	तीं	ना	धा
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु	लघु

दोहरा, सम से; ६४ द्रुत के बराबर, लघु और द्रुत से सम्मिलित है।

× २ … ३

बोल	धा	ति	टि	क	त	धा	ति	टि	क	त	धा	धा
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

० ४ … १

धा	ति	टि	क	त	धा	घिड़ि	नघि	तीं	ना*
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु

× २						३					
ता	ति	टि	क	त	ता	ति	टि	क	त	धा	धा
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

० ४						१				× २
धा	ति	टि	क	त	धा	घिड़ि	नघि	तीं	ना	धा
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु	लघु

कायदा; नं० ५. सम से, ३२ द्रुत के बराबर, लघु, द्रुत और गुरु से सम्मिलित है।

	× २						३		
बोल	धा	ति	टि	क	त	धा—आ	धा	तीं	ना *
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	गुरु	लघु	लघु	लघु

० ४						१			× २
ता	ति	टि	क	त	धा—आ	धा	तीं	ना	धा
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	गुरु	लघु	लघु	लघु	लघु

दोहरा, सम से; ६४ द्रुत के बराबर, लघु, द्रुत और गुरू से सम्मिलित है।

	× २						३					
बोल	धा	ति	टि	क	त	धा	ति	टि	क	त	धा	धा
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

० ४						१		
धा	ति	टि	क	त	धा—आ	धा	तीं	ना *
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	गुरु	लघु	लघु	लघु

× २						३						
ता	ति	टि	क़	त	ता	ति	टि	क	त	धा	धा	
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	
० ४						१				× २		
धा	ति	टि	क	त	धा—आ		धा	तीं	ना	धा		
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	गुरु		लघु	लघु	लघु	लघु		

कायदा नम्बर ६. सम से; ३२ द्रुत के बराबर, लघु और द्रुत से सम्मिलित है।

	× २						३				
बोल	धा	ति	टि	क	त	धा	धा	धा	तीं	ना*	
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	
	० ४						१				× २
	ता	ति	टि	क	त	धा	धा	धा	तीं	ना *	धा
	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

दोहरा सम से; ६४ द्रुत के बराबर, लघु और द्रुत से सम्मिलित है।

	× २						३					
बोल	धा	ति	टि	क	त	धा	ति	टि	क	त	धा	धा
मात्रा	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु
	० ४						१					
	धा	ति	टि	क	त	धा	धा	धा	तीं	ना *		
	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु		
	× २						३					
	ता	ति	टि	क	त	ता	वि	टि	क	त	धा	धा
	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

० ४						१				× २
धा	ति	टि	क	त	धा	धा	धा	तीं	ना	धा
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

कायदा नम्बर ७, सम से; ३२ द्रुत के बराबर, द्रुत और लघु से सम्मिलित है।

	× २				३			
बोल	घिड़ि	नघि	धा	तिटि	घिड़ि	नघि	दीं	ना *
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु

० ४				१				× २
किड़ि	नगि	ता	तिटि	घिड़ि	नघि	दीं	ना	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु	लघु

दोहरा सम से; ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और लघु से सम्मिलित है।

	× २				३			
बोल	घिड़ि	नघि	धा	तिटि	घिड़ि	नघि	धा	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०

० ४				१			
घिड़ि	नघि	धा	तिटि	घिड़ि	नघि	दीं	ना *
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु

× २				३			
किड़ि	नगि	ता	तिटि	किड़ि	नगि	ता	तिटि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०

० ४				१				२
घिड़ि	नघि	धा	तिटि	घिड़ि	नघि	दीं	ना	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु	लघु

॥ धीमे तीताले की गतें ॥

गत, नम्बर (१) सम से; ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २				३			
बोल	धघि	दिंन	किन	धघि	दिंन	किन	धघि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४				१					
धघि	दिंन	किन	धघि	ति	रि	क	धिन	दिंन	किन*
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× २				३			
तगि	दिंन	किन	तगि	दिंन	किन	तगि	तिटि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४				१			
धगि	दिंन	किन	धघि	ति	रि	क	धिन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

		× २
दिंन	किन	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

गत, नम्बर (२) सम से; ६४ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २							
बोल	ध	ति	रि	क	ध	घि	न	धघि
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

३					
दिंन	किन	तगि	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

० ४							१
दिंन	किन	ध	ति	रि	क	ध	घिन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

			× २			
धघि	दिंन	किन *	त	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

				३					
त	गि	न	तगि	दिंन	किन	तगि	ति	रि	क
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

० ४							१
दिंन	किन	ध	ति	रि	क	ध	घिन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

			× २
धघि	दिंन	किन	धा
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ धीमे तीताले के मुहरे ॥

मुहरा नम्बर (१) पहली ताल से; ८ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	१							
बोल	कि	ड़ि	न	गि	ति	रि	कि	ट
मात्रा	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०]	अ०द्रु०	अ०द्रु०

×
२

त......	कु	धिं	ति	टि	क	त	धा
अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु

मुहरा नम्बर (२) खाली से. १६ द्रुत के बराबर, द्रुत और लघु से सम्मिलित है ।

०
४ ... १

धिद्	ति	टि	ति	टि	कि	ड़ि	न	कि
लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

×
२

त	गे	त	कि	टि	धा
द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु

खाली की पहली खाली

॥ धीमे तीताले का टुकड़ा ॥

खाली की पहली खाली से; ४८ द्रुत के बराबर,

लघु और बिराम लघु—द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

बोल	धध	कि	टि	त	क	ता	कत	घीं	ड़ा	न
मात्रा	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	लघु	बिरामलघु	द्रु०

×
२ ... ३

नगि	धित	तगि	धित	घि	दी	कत	त	धा
द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	लघु	द्रु०	लघु	लघु	द्रु०	लघु

०
४

ति	टि	क	त	घि	दि	घि	न	धा
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु

ति	टि	क	त	१ घि	दि	घि	न	धा
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु

ति	टि	क	त	घि	दि	घि	न	× २ धा
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु

॥ धीमें तीताले का पेशकार ॥

सम से; १६ द्रुत के बराबर। इसको दो बार कहोगे तो सम आयेगा। यानी पहले बार सम से शुरू होकर तीसरी की तीसरी खाली पर खतम होगा; और दूसरी मरतबा खाली से शुरू होकर पहली की तीसरी खाली पर खतम होगा। फिर सम आ जायेगा।

खुला फिकरा — बन्द फिकरा

पहली बार

	× २			३		
बोल	धिंधिन	धघि	दिंनन	तिंगिन	धघि	दिंनन
मात्रा	द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०

दूसरी बार

० ४			१			× २
धिंधिन	धघि	दिंनन	तिंगिन	धघि	दिंनन	धा
द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०	लघु

॥ धीमें तीताले की परन ॥

यह ४० द्रुत के बराबर, द्रुत, अनद्रुत और लघु और बिरामलघु से सम्मिलित है। सम से शुरू करने से चार बार बजाने के बाद सम आयेगा—और तीसरी ताली से शुरू करने से तीन बार बजाने से सम आयेगा।

सम से

पहली बार

	× २						३			
बोल	ति	रि	क	धिदु	धिटि	तिटि	घि	ड़ि	न	घि
मात्रा	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

०
४

तिटि घि ड़ि | न घि घि······टि ति······टि

द्रु०द्रु० द्रु० द्रु० | द्रु० द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०

१

घि ड़ि न घि त कि | टि धा घि·····ड़ा न

अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु० | द्रु० लघु विरामलघु द्रु०

×
२

कि | ति रि कि टि त क

द्रु० | अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०

धा ड़ि धा |

लघु द्रु० लघु |

दूसरी बार

३

बोल	ति	रि	क	धिटु	धिटि	तिटि
मात्रा	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

०
४ १

| घि ड़ि न घि तिटि घि ड़ि | न घि घि······टि

द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु० द्रु० | द्रु० द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०

×
२

ति······टि घि ड़ि न घि त कि | टि

अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु० | द्रु०

३

धा	घि……ड़ा	न	कि	|	ति	रि
लघु	बिरामलघु	द्रु०	द्रु०	|	अ०द्रु०	अ०द्रु०

कि	टि	त	क	धा	ड़ि	धा	|
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु	द्रु०	लघु	|

तीसरी बार

०
४

बोल / मात्रा	|	ति	रि	क	धिदु	धिटि	तिटि	|	१ घि ड़ि न घि
	|	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	|	द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०

×
२

तिटि	घि	ड़ि	|	न	घि	धि……टि		ति……टि	
द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	|	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

३

घि	ड़ि	न	घि	त	कि	|	टि	धा	घि…ड़ा	न
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	|	द्रु०	लघु	बिरामलघु	द्रु०

०
४

कि	|	ति	रि	कि	टि	त	क	धा	ड़ि	धा	|
द्रु०	|	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु	द्रु०	लघु	|

चौथी बार

	१						×२			
बोल	ति	रि	क	धिदु	धिटि	तिटि	धि	ड़ि	न	धि
मात्रा	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

			३					
तिटि	धि	ड़ि	न	धि	धि	टि	ति	टि
द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

०
४

धि	ड़ि	न	धि	त	कि	टि	धा	धि······ड़ा	न
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु	बिरामलघु	द्रु०

	१									×२
कि	ति	रि	कि	टि	त	क	धा	ड़ि	धा	धा
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु	द्रु०	लघु	लघु

॥ ठेका पंजाबी या ठुमरी का ठेका मात्रा १६ ॥

(*)

विदित हो कि इस ठेके में भी वही सब ज़रबात और खालियां धीमे तीताले वाली मौजूं हैं, सिर्फ खुली मुंदी और रफ़तार का फर्क है। इसके बोलों की बंदिस लघु और बिरामलघु से की है। इस तरह से कि औवल एक लघु फिर दो बोल आड़े यानी दो बिराम लघु फिर एक लघु फिर दो बिराम लघु फिर एक लघु फिर दो बिराम लघु फिर एक लघु फिर दो बिरामलघु—कुल आठ बिराम लघु और चार लघु हैं, सब मिल कर १६ मात्रे के बराबर हुये, इस सबब से इसका कद भी धीमें तीताले के बराबर है। सिर्फ रफ़तार का फर्क है।

	×२			३		
बोल	धा	धिंइं	धिधा	धा	तिंइं	गिता
मात्रा	लघु	बिरामलघु	बिरामलघु	लघु	बिरामलघु	बिरामलघु

० ४			१		
ता	तिंइं	घिधा	धा	धिंइं	घिधा
लघु	बिरामलघु	बिरामलघु	लघु	बिरामलघु	बिरामलघु

॥ ठेका तिरम्बा मारूफ तिलवाड़ा मात्रा १६ ॥

विदित हो कि इस ठेके में भी सब वही ज़रबात ताल और खालियां हैं जो धीमे तीताले में हैं सिर्फ फर्क इतना है कि धीमे की वन्दिश लघु से करके १६ मात्रे पूरे किये हैं और इसकी बन्दिश लघु और गुरु से कर के १६ मात्रे पूरे किये हैं। इस ठेके पर ख्याल गाते हैं इस सबब से यह ख्याल का ठेका मशहूर है।

× २				३			
बोल	धिन······इन	ता	धिन········	इन	ता	दिन······इन	
मात्रा	गुरु···········	लघु	गुरु···	······	लघु	गुरु···········	

० ४					१			
ता	के	ता	धिन········	इन	ता	धिन······इन
लघु	लघु	लघु	गुरु···	······	लघु	गुरु···········

॥ ठेका टप्पा मात्रा १६ ॥

विदित हो कि इस ठेके में भी वही सब ज़रबात ताल और खालियां हैं जो धीमे तीताले में हैं सिर्फ रफ्तार का फर्क है यानी धीमे की बन्दिश लघु से की है और इसकी लघु और गुरु से की है॥

× २					३		
बोल	धिन	ता	धिन	धिन	धिन	ता	धिन···इन
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	गुरु········

० ४			१			
धा	घे	दिन······इन	धिन	ता	धिन	धिन
लघु	लघु	गुरु···········	लघु	लघु	लघु	लघु

नोटः—धीमा तीताला और पंजाबी और तिलवाड़ा और टप्पे का ठेका, मात्रों और ज़रबात और खालियों में बराबर हैं सिर्फ लैकारी दिखाने के लिये रफ़्तार (चाल) बदल कर ज़ाहिरी सूरत में फर्क डाल दिया है और हक़ीकत में एक हैं, इसी सबब से जो चीज़ धीमे तीताले में गाई बजाई जाती है इन सब में भी उसी तरह दुरस्त आती हैं, और जो इन में दुरस्त आती हैं वह धीमे तीताले में दुरस्त आती हैं। ज़ाहिरी फर्क बर-ताव का यह और कर रक्खा है कि ख्याल और टप्पे और पंजाबी के ठेके को ज्यादा ठाह में बजाते हैं। यह सब ठेके चूंकि पैमाइश में बराबर हैं, इस वास्ते धीमे के कुल कायदे वगैरा इन सब में दुरस्त आते हैं।

॥ ठेका अध्धा मात्रा ८ ॥

विदित हो कि अध्धा धीमे तीताले का निस्फ है यानी आठ मात्रे के बराबर है और इसमें भी तीन तालें भरी और एक खाली है। यह आठ द्रुत और चार लघु से मुरक्कब (सम्मिलित) है जो कि कुल आठ लघु के बराबर हुआ। यह दूगुन के मौके पर बजाया जाता है।

	× २			३			० ४			१		
बोल	ध	धिन	न	ध	धिन	न	त	तिन	न	ध	धिन	न
मात्रा	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०

॥ ठेका एकताला मात्रा १२ ॥

विदित हो कि यह ताल बारह मात्रे की है और तीनों ज़रबें एक ही मिज़ाज से हैं और पहली ज़र्ब पर इसका सम है, और ज़रबात के मुक़ाबिल की खाली मिस्ल धीमे तीताले वगैरः के इसमें नहीं है।

	× १						२			
बोल	धी	धी	ना	ति	रि	क	तू	ना	कत	ता
मात्रा	लघु	लघु	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु

३	धी	ति	रि	क	धी	ना
	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

एकताले के कायदे सम से, हर कायदा २४ द्रुत के बराबर

कायदा नम्बर १ सिर्फ द्रुत से मुरक्कब (सम्मिलित) है।

	× १				२			
बोल	धघि	तिटि	धघि	नघि	दिंन	किन	* तगि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३				× १
धघि	नघि	दिंन	किन	धी
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

कायदा नम्बर २ द्रुत व अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× १						२			
बोल	धघि	तिटि	धघि	ति	रि	क	दिंन	किन	* तगि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३						× १
धघि	ति	रि	क	दिंन	किन	धी
द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

कायदा नम्बर ३ द्रुत व अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× १								२						
बोल	ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धिन	दिंन	किन	* त	गि	न	त
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०		द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

३						×१
ति	रि	क	घिन	दिंन	किन	धी
अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ एकताला की गत ॥

सम से ६६ द्रुत के बराबर द्रुत व अनद्रुत और बिरामलघु से सम्मिलित है।

×१ । २
बोल । धघि तिटि धघि दिन । तगि तिटि कि…ड़ि ध ति टि
मात्रा । द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० । द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०

३ । ×१
धघि दिन तगि तिटि । घि…ड़ा न तगि तिटि
द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० । बिराम लघु द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

२ । ३
धघि तिटि घिदि घिन । धघि ति रि क दिंन किन *
द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० । द्रु०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

×१ । २
तगि तिटि तगि दिन । तगि तिटि कि…ड़ि त ति टि
द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० । द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०

३ । ×१
धघि दिन तगि तिटि । घि…ड़ा न तगि तिटि
द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० । बिरामलघु द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

२				३			
धघि	तिटि	घिदि	घिन	धघि	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

		× १
दिंन	किन	धीं
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका चौताला मात्रा १२ ॥

विदित हो कि यह ताल भी मिस्ल एकताले के १२ मात्रे की है सिर्फ एक ज़रबात का फर्क है और इस में चार ज़रबें हैं और चौथी ज़र्ब पर सम है, कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है, सिर्फ लय के भरती की खालियां हैं जो कि हर ठेके में होती हैं ।

	× ४				१				२			
बोल	धा	धा	दिन	ता	कित	धा	दिन	ता	ति	टि	क	त
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

३			
घि	दि	घि	न
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

॥ ठेका चौताले का कायदा ॥

सम से कायदा नम्बर १

	× ४				१			
बोल	धघि	तिटि	धघि	नघि	दिंन	किन	* तगि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

२		३		× ४
धघि	नघि	दिंन	किन	धां
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

सम से कायदा नम्बर २।

	× ४								१	
बोल	ध	ति	टि	क	त	ध	कत	घिन	दिंन	किन*
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

					२		३		× ४
त	ति	टि	क	त	त	कत घिन	दिंन	किन	धा
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका आड़ा चौताला मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल १४ मात्रे की है और इस में चार ज़रबें हैं। पहली दूसरी चौथी ज़र्ब एक मिज़ाज से और तीसरी ज़र्ब बर खिलाफ और इस का सम तीसरी ताल पर है कोई मुकाबिल की खाली नहीं है।

	× ३				४				१		
बोल	धीं	ति	रि	क	धिन	ना	दिन	ना	कत	ता	धिन
मात्रा	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

	२			
धिन	ना	धिन	धिन	ना
लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

॥ आड़े चौताले का कायदा ॥

सम से २८ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× ३				४						१
बोल	ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धति	धघि	दिंन	किन*
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

	×
३	३
त गि न त ति रि क	धति धघि दिंन किन	धी
द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	लघु

दोहरा:—सम से ५६ द्रुत के बराबर ; द्रुत व अनद्रुत से सम्मिलित है।

	×३	४
बोल	ध घि न ध	ति रि क धति धघि दिंन
मात्रा	द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०	अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

१	२
किन ध घि न ध ति रि क	धति धघि दिंन किन *
द्रु०द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० अ०द्रु०अ०द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

×३	४
त गि न त	ति रि क तति तगि दिंन
द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०	अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

१	२
किन ध घि न ध ति रि क	धति धघि
द्रु०द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

	×३
दिंन किन	धी
द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	लघु

॥ आड़े चौताले की गत ॥

सम से ५६ द्रुत के बराबर

	×३	३
बोल	धघि तिटि	धघि ति रि क दिंन किन
मात्रा	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

१				२					
धघि	तिटि	धघि	तिटि	धघि	ति	रि	क	दिंन	किन*
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× ३		४						१
तगि	तिटि	तगि	ति	रि	क	दिंन	किन	धघि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

			२						× ३
तिटि	धघि	तिटि	धघि	ति	रि	क	दिंन	किन	धी
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका झूमरा मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल भी चौदह मात्रे की है। इस में और ठेका आड़े चौताले में सिर्फ ज़रबात ताल और बन्दिश का फर्क है। मात्रों मे दोनो बराबर हैं। और इस में तीन मुकामात ज़र्ब ताल के हैं, और एक मुकाबिल की खाली है; और इस की ज़र्ब ताल के दो मिज़ाज यानी पहली और तीसरी ताल का एक मिज़ाज है और दूसरी ताल और खाली का एक मिज़ाज हैं, यह दोनों ताले पहली और तीसरी ताल से छोटी हैं। इस का सम दूसरी ताल पर है।

	× २			३						० ४		
बोल	धी	धी	ना	धी	ति	रि	क	धी	ना	ती	ती	ना
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

१					
धी	ति	रि	क	धी	ना
लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

॥ ठेका झूमरा का कायदा ॥

सम से २८ द्रुत के बराबर

	× २							३			
बोल	ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धति	धघि	दिंन	किन*
[मा]त्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४							१				× २
त	गि	न	त	ति	रि	क	धति	धघि	दिंन	किन	धी
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

दोहरा:—सम से ५६ द्रुत के बराबर

	× २							३			
बोल	ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धति	धघि	दिंन	किन
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४							१			
ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धति	धघि	दिंन	किन*
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× २							३			
त	गि	न	त	ति	रि	क	तति	तगि	दिंन	किन
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

० ४							१	
ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धति	धघि
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

		× २
दिंन	किन	धी
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ झूमरे ठेके की गत ॥

सम से ५६ द्रुत के बराबर, द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २							३	
बोल	ध	ति	टि	क	त	धध	ध	घिन	दिंन
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

				० ४				
किन	ध	ति	टि	क	त	धध	ध	घिन
द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

१				× २				
धध	घिन	दिंन	किन *	त	ति	टि	क	त
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

		३			
तत	त	गिन	दिंन	किन	ध
द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०

		० ४				
ति	टि	क	त	धध	ध	घिन
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

१				× २
धध	घिन	दिंन	किन	धी
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका धमाल मात्रा ७ ॥

विदित हो कि यह ताल सात मात्रे की है और इस में तीन ज़रबात ताल हैं और इस का सम पहली ताल पर है, और इसमें कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है।

	× १				२		३	
बोल	क	धि	टि	धिटि	धा	धिदिइं	दीं	ता
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	विरामलघु	लघु	लघु

कायदा:—नम्बर १ सम से १४ द्रुत के बराबर सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है।

	× १			२			३		× १
बोल	ध	दिंगि	धध	दिंगि	* त	दिंगि	धध	दिंगि	क
मात्रा	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	

कायदा:—नम्बर २ सम से २८ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× १						२		
बोल	ध	घि	न	ध	ति	रि	क	धिन	धघि
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३			× १						२
दिंन	किन	*	त	गि	न	त	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०		द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

		३		× १
धिन	धघि	दिंन	किन	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	

॥ ठेका धमाल की गत ॥

सम से ५६ द्रुत के बराबर द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

×१			२				
बोल	धघि	तिटि	ध	घि	ति	रि	क	दिंन
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

३		×१			२
किन	धघि	तिटि	धघि	ति	टि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०

				३	
धघि	ति	रि	क	दिंन	किन *
द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

×१			२					३
तगि	तिटि	त	गि	ति	रि	क	दिंन	किन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

	×१			२				
धघि	तिटि	धघि	ति	टि	धघि	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

३		×१
दिंन	किन	क
द्रु०द्रु०	द्रु० द्रु०	

॥ ठेका रूपक मात्रा ७ ॥

विदित हो कि यह ताल भी सात मात्रे की है ; और इस में दो जर्ब ताल की हैं ; और एक मुकाबिल की खाली है ; और खाली पर इस का सम है ।

	× ०					१		२	
बोल	तिन	ना	लि	रि	क	धिन	ना	धिन	ना
मात्रा	लघु	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु

दूसरा ठेका रूपक का

	× ०			१				२	
बोल	ती	ती	ना	धी	ति	रि	क	धी	ना
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु	लघु

॥ रूपक ठेके की गत ॥

सम से ५६ द्रुत के बराबर द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

	× ०			१				२	
बोल	धघि	तिटि	धघि	ति	रि	क	दिंन	किन	धघि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× ०			१			
तिटि	धघि	तिटि	धगि	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

२		× ०			१			
दिंन	किन *	तगि	तिटि	तगि	ति	रि	क	दिंन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

	२		× ०			
	किन	धघि		तिटि	धघि	तिटि
	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०		द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

१				२		× ०	
धघि	ति	रि	क	दिंन	किन	(तिन)	(ती)
द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०		

॥ ठेका चाचर या दीपचन्दी या होली का मात्रा ७ ॥

विदित हो कि यह ताल भी सात मात्रे की है। इस में चार तालें हैं तीन भरी और एक खाली मुकाबिल की। इसका सम दूसरी ताल पर है॥

	× २		३		० ४		१	
बोल	ध···	दि···न	धा	दिन	त···	दि···न	धा	दिन
मात्रा	बिराम···	लघु	लघु	लघु	बिराम···	लघु	लघु	लघु

दूसरा ठेका

	× २			३				० ४			१			
बोल	ध	धि	न	ध	ध	धि	न	त	ति	न	ध	ध	धि	न
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

॥ ठेका चाचर के कायदे ॥

नम्बर १ सम से १४ द्रुत के बराबर सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है।

	× २		३		० ४		१		× २
बोल	ध	घिन	दिंन	किन *	त	घिन	दिंन	किन	ध···
मात्रा	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	

नम्बर २ सम से १४ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

	× २				३			
बोल	धा	ति	रि	क	धि	न	धि	न *
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

० ४				१				× २
त	ति	रि	क	धि	न	धि	न	धा···
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	

॥ ठेका चाचर की गत ॥

सम से २८ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

	× २			३					० ४	
बोल	धा···	घि···	न	धा	ति	रि	क	धा	ति	धघि
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०

१		× २			३			
दिंन	किन *	त··	गि	न	त	ति	रि	क
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

	० ४		१		× २
धा	ति	धघि	दिंन	किन	धा···
द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	

॥ ठेका पज़तू मात्रा ६ ॥

विदित हो कि यह ताल ६ मात्रे की है और इस में दो ज़र्ब ताल की हैं, और एक खाली मुक़ाबिल की है। इस का सम खाली पर है। अक्सर लोग इस ठेके पर गज़ल गाते हैं इस लिये यह गज़ल का ठेका विख्यात है।

	० ३	१	२
बोल	ति···इँ···कि तकु	धि···इँ···धि	धा धा
मात्रा	बिराम···लघु द्रु०द्रु०	बिराम···लघु	लघु लघु

॥ठेका तेवरा मात्रा ७ ॥

विदित हो कि यह ताल भी रूपक की तरह सात मात्रे की है, और इस के और रूपक के कुल मुक़ामात ज़र्ब ताल और खालियां बिलकुल एक ही तरह हैं। सिर्फ इतना फर्क है कि रूपक में दो ज़र्ब ताल की हैं और खाली पर सम है और इस में तीन ज़र्ब ताल की हैं और तीसरी ताल पर सम है, और इस में कोई खाली मुक़ाबिल की नहीं है।

	× ३			१		२	
बोल	धिन	धिन	ना	धिन	ना	धिन	ना
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

॥ ठेका तेवरा की गत ॥

सम से २८ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× ३							१	
बोल	ध	ति	रि	क	ध	कि	टि	धिन	धधि
मात्रा	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

२			× ३						
दिंन	किन	*	त	ति	रि	क	त	कि	टि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०		द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

१		२		× ३
घिन	धघि	दिंन	किन	धिन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका तेवरा का मुहरा ॥

सम से १४ द्रुत के बराबर; लघु; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× ३			१		२			
बोल	दीं	तगि	दिंन	कि	तिंन	कि	ड़ि	न	गि
मात्रा	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

						× ३
त	कु	ति	टि	क	त	धिन
अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	लघु

॥ ठेका झपताला मात्रा १० ॥

विदित हो कि यह ताल १० मात्रे की है और ठेके के बोल लघु वज़न के बंधे हुये हैं और इस में तीन ज़र्ब ताल की हैं और एक मुक़ाबिल की खाली है। सम इस ठेके का दूसरी ताल पर है; और पहली और तीसरी ताल का बाहम एक मिज़ाज है और दूसरी और खाली का बाहम एक मिज़ाज है।

	× २	३	० ४	१
बोल	धी ना	धी धी ना	ती ना	धी धी ना
मात्रा	लघु लघु	लघु लघु लघु	लघु लघु	लघु लघु लघु

॥ ठेका झपताले का कायदा ॥

सम से २० द्रुत के बराबर ; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

	× २				३							
बोल	धिं	घि	नि	ध	ति	रि	क	धि	न	घि	न	*
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	

० ४				१							× २
दिं	गि	नि	त	ति	रि	क	धिं	न	घि	न	धी
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु

॥ ठेका झपताले की गत ॥

सम से ८० द्रुत के बराबर ; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है ।

	× २		३			० ४
बोल	धघि	तिटि	धघि	दिन	तागि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

	१							× २	
ध	घि	न	ध	ति	रि	क	घिन	घिदि	घिन
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३					० ४	
ध	घि	न	ध	घिदि	घिन	धघि
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

१					×२	
ति	रि	क	दिंन	किन *	तांग	तिटि
अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३			०४			१	
तगि	दिन	तगि	तिटि	ध	घि	न	ध
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

				×२	
ति	रि	क	घिन	घिदि	घिन
अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

३					०४		१		
ध	घि	न	ध	घिदि	घिन	धघि	ति	रि	क
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०

		×२
दिंन	किन	धीं
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका सूलफ़ाख़ता मात्रा ५ ॥

विदित हो कि यह ताल पांच मात्रे की है और इस में तीन जरबें ताल की हैं अर्थात् तीन ताल भरी की हैं और मुक़ाबिल की खाली नहीं है और इस ठेके का सम पहली ताल पर है ।

	×१		२	३					
बोल	घिन	ना	धिंन	धिं	दिं	न	ति	रि	क
मात्रा	लघु	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०द्रु०

॥ सूलफ़ाख़ता का कायदा ॥

सम से १० द्रुत के बराबर; सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है।

	× १	२	३	× १
बोल	ध धिन ति	न * त	धिन तिन	धिन
मात्रा	द्रु० द्रु०द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	लघु

॥ सूलफ़ाख़ता की गत ॥

सम से २० द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× १	२	३
बोल	ध ति टि क त ध	धिन	दिंन किन *
मात्रा	द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

× १	२
त ति टि क त त	धिन
द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु०	द्रु०द्रु०

३	× १
दिंन किन	धिन
द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका दादरा मात्रा ६ ॥

विदित हो कि यह ताल भी ६ मात्रे की है; और इस के सब मात्रे एक ही वज़न के हैं और एक ही रफ़्तार से बजाये जाते हैं और इस में दो भरी ताल हैं इस का सम दूसरी ताल पर है।

	× २	१
बोल	धा धिन ना	धा तिन ना
मात्रा	लघु लघु लघु	लघु लघु लघु

॥ ठेका दादरे के कायदे ॥

नम्बर (१) सम से १२ द्रुत के बराबर द्रुत से सम्मिलित है।

	× २			१			× २
बोल	धघि	दिंन	किन *	तगि	धिन	धिन	धा
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

नम्बर (२) सम से १२ द्रुत के बराबर; द्रुत से सम्मिलित है।

	× २					१					× २
बोल	धि	न	घि	ध	तिन *	ति	न	कि	ध	तिंन	धा
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

नम्बर (३) सम से १२ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २							१							× २
बोल	धि	घि	नि	त	ति	रि	क *	दि	गि	नि	ध	ति	रि	क	धा
मात्रा	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	लघु

नोटः — दादरा के कायदे एक ताले में पेशकार का काम देते हैं।

॥ ठेका दादरे के मुहरे ॥

नम्बर (१) सम से १२ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

	× २						१				
बोल	तगि	दिंन	कि	ड़ि	न	गि	धि	टि	ति	टि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

	× २
क⋯⋯तु त ति टि क त	धा
अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०	लघु

नम्बर (२) सम की दूसरी खाली से आठ द्रुत के बराबर; द्रुत और अनद्रुत से सम्मिलित है।

		१
बोल	कि ड़ि न गि	ध दि कि टि न⋯कु
मात्रा	अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०	अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०अ०द्रु०

	× २
त ति टि क त	धा
द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु० अ०द्रु०	लघु

॥ ठेका कहरवा मात्रा ८ ॥

विदित हो कि यह ताल आठ मात्रे की है और इस में दो भरी ताल हैं और मुक़ाबिल की कोई खाली नहीं है और इस ठेके के बोल सब एक ही वज़न के है, सम इस का पहली ताल पर है।

	× १	२
बोल	धा धिन ना तिन	ता ता धिन ना
मात्रा	लघु लघु लघु लघु	लघु लघु लघु लघु

॥ ठेका कहरवे के मुहरे ॥

नम्बर (१) सम से १६ द्रुत के बराबर; द्रुत और लघु से सम्मिलित है।

	× १	२	× १
बोल	ध कि टि त कि टि ता	ति टि क त घि दि घि न	धा
मात्रा	द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० लघु	द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०	लघु

नम्बर (२) सम से १६ द्रुत के बराबर; लघु और बिरामलघु और द्रुत से सम्मिलित है।

	× १	२								× १
बोल	ता…ड़ि ता…ड़ि ता	ति	टि	क	त	घि	दि	घि	न	धा
मात्रा	बिरामलघु बिरामलघु लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	लघु

॥ ठेका कौवाली मात्रा ८ ॥

विदित हो कि यह ताल आठ मात्रे की है, इस में दो भरी ताल हैं और सम पहली ताल पर है, कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है, और यह ताल बिलकुल कहरवे की तरह है, सिर्फ ठेके की बन्दिश दूसरी तरह की है जिससे दूसरी सूरत मालूम होती है। जिस प्रकार की धीमे तीताले और पंजाबी इत्यादि में बन्दिश का फर्क है और मात्रा बराबर है।

	× १				२			
बोल	धा	धा	धा	दिन	ता	धा	धा	धिन
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

बदला हुआ ठेका

	× १				२			
बोल	धा	कतु	धा	धिन	ता	कतु	ता	धिन
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

॥ ठेका फ़रोदस्त मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल भी मिस्ल झूमरे और आड़े चौताले की तरह चौदह (१४) मात्रे की है, लेकिन मुक़ामात ज़र्ब ताल और खालियां बिलकुल इन तालों से अलग हैं। सिर्फ मात्रे बराबर हैं। इसमें पांच ज़र्ब ताल की हैं याने पांच भरी ताल हैं। सम इस ठेके का पांचवी ताल पर है।

	× ५				१			
बोल	धिन	धिन	धा	धा	दीं	दीं	ता	तित
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु	लघु

२					३					४			
ध	ति	रि	क	धिं	न	कि	ध	ति	रि	क	धिं	न	कि
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

॥ ठेका फ़रोदस्त की गत ॥

सम से ५६ द्रुत के बराबर ; सिर्फ द्रुत से सम्मिलित है ।

	× ५				१			
बोल	धिटि	तिटि	घिन	कत	दिंन	किन	धिटि	तिटि
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

२		३		४	
तिटि	तिटि	घिन	कत	दिंन	किन *
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

× ५				१			
तिटि	तिटि	गिन	कत	दिंन	किन	धिटि	तिटि
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

२		३		४		× ५
तिटि	तिटि	घिन	कत	दिंन	किन	धिन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु

॥ ठेका क़ैद मात्रा १० ॥

विदित होकि यह ताल भी मिस्ल झपताले के दस मात्रे की है, लेकिन मुकाबला ज़रब में फर्क है। इस में तीन भरी ताल हैं, और कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है, और ताल का सम पहली ताल पर है ।

	× १			२			३			
बोल	धा	धिन	ना	धा	तिटि	किटि	धिन	धिन	ना	ना
मात्रा	लघु	लघु	लघु	लघु	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	लघु	लघु	लघु	लघु

॥ ठेका सवारी मात्रा १५ ॥

विदित हो कि यह ताल १५ मात्रे की है, और इस का सम पहली ताल पर है और इस में चार भरी ताले हैं; कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है।

	× १				२						
बोल	धिन	ना	धिं…	धिं	ना	धिं	धिं	न	धिं	धिं	न
मात्रा	लघु	लघु	द्रु०	द्रु०	लघु	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

३								
दिं…इं	कि	ड़ि	दिं	दिं	न	ति	रि	क तिंन
अ०द्रु०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०अ०द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०द्रु०द्रु०द्रु०

४								
कि	त ति	रि	क	धिं…न	धिं	धि	न	
द्रु०	द्रु०अ०अ०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	

॥ ठेका अस्टमंगल मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल भी चौदह मात्रे की है और इस ठेके में आठ ज़र्ब ताल की हैं याने आठ भरी ताल है कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है। सम इस ताल का पहली ताल पर है।

	× १		२	३		४
बोल	धिंधिं	नन	धिंन	धिंधिं	नन	धिंन
मात्रा	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

५			६			
तिं……इं	गि	दिंन	ति	रि	क	धिन
अ०द्रु०	द्रु०अ०द्रु०	द्रु०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०अ०द्रु०	अ०द्रु०	द्रु०द्रु०

७					८			
धिं	धिं	न	क	त	धिं	धिं	न	न
द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०	द्रु०

॥ ठेका लक्ष्मी मात्रा १७ ॥

विदित हो कि यह ताल सत्तरह (१७) मात्रे की है और इस में १८ ज़र्बें ताल की हैं याने १८ भरी ताल हैं और अठारवीं ज़र्ब पर याने अठारवीं ताल पर इस ठेके का सम है। लोग अठारह मात्रे की ताल कहते हैं पर यह बात ग़ल्त है।

	× १८	१	२	३	४	५ ६				
बोल	धा	धिन	धिन	ना—आ	धिं	न	कि	टि	त	क
मात्रा	लघु	लघु	लघु	गुरु......	द्रु०	द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धा—आ	धिन	ना	धिन	ना	धिं	धिं न	कत्
गुरु......	लघु	लघु	लघु	लघु	द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

१५	१६	१७		
ध	कि	टि	त	क
द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०	अ०द्रु०

॥ ठेका बिराम मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल चौदह मात्रे की है और इस में दस ज़र्ब ताल की हैं याने दस भरी ताल हैं और कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है। सम इस का पहली ताल पर है।

	× १	२	३	४	५	६
बोल	धिंधिं धध	धिंन	दिंदिं तत	धिन	धिन	दिंदिं तत
मात्रा	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०

७	८	९	१०
धिं धिं	न धिं	धिं न	दिं ति रि क द्विंन
द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० अ०अ०द्रु० अ०अ०द्रु० अ०द्रु० द्रु०द्रु०

नोटः- ठेका क़ैद, सवारी, अस्टमंगल, लक्ष्मी और ठेका बिराम यह ठेके की चीज़ें कम बरती जाती हैं इस कारण से सिर्फ ठेके के बोल ही लिखे गये हैं ॥

॥ ठेका रुद्र मात्रा १६ ॥

विदित हो कि यह ताल धीमे तीताले की तरह सोलह मात्रे की है लेकिन ज़रबों में फर्क है । इस में ११ मुक़ामात ज़रब ताल के हैं याने ११ भरी ताल हैं कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है । सम इस ठेके का पहली ताल पर है ।

	× १	२	३	४	५
बोल	धिंधिं धध	धिन	धिंधिं धध	धिंधिं धध	धिन
मात्रा	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

६	७	८	९	१०	११
धिन	धिंधिं धध	धिन	धिन	त धिं	न धिं धिंन
द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु० द्रु०द्रु०

॥ ठेका गणेश मात्रा ११ ॥

विदित हो कि यह ताल ११ मात्रे की है और इस में सात भरी तालें हैं और कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है । इस ताल का सम पहली ताल पर है ।

	× १	२	३	४	५
बोल	धिंधिं धध	धिन	धिंधिं धध	धिन	धिन
मात्रा	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु० द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०	द्रु०द्रु०

६	७
त धि न क	त धिं धिं न
द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०	द्रु० द्रु० द्रु० द्रु०

॥ ठेका सुरुसती मात्रा १४ ॥

विदित हो कि यह ताल भी चौदह मात्रे की है। इस ठेके की ज़रब ताल और चौदह मात्रे वाली तालों से अलग है। इस में नौ (६) भरी ताल हैं और कोई मुक़ाबिल की खाली नहीं है। सम इस ठेके का सम तीसरी ताल पर है।

	× ३	४	५	६	७
बोल	धिन	धिन	धिंधिं धध	धिन	धिंधिं धध
मात्रा	दु०दु०	दु०दु०	दु०दु० दु०दु०	दु०दु०	दु०दु० दु०दु०

८	६	१	२
दिंन कित	धिं धिं न	धिं धिं न	दिंदिं नन
दु०दु० दु०दु०	दु० दु० दु०	दु० दु० दु०	दु०दु० दु०दु०

सूचना—ठेका रुद्र और ठेका **गणेश** और ठेका **सुरुसती** यह ठेके बहुत प्राचीन हो गये हैं और आज कल इस्तमाल में नहीं लाये जाते इसी कारण इसके कायदे और गतें इत्यादि नहीं लिखी गईं।